राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 06 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-310 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग

■ सड़कों पर उतरे कई संगठनों के लोगों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

कोटद्वार। अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के बैनर तले कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने रैली निकाली और प्रदर्शन किया। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार साक्षी उपाध्याय के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। सोमवार को विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी देवी मंदिर चौराहे में एकत्र हुए। यहां से उन्होंने नगर में रैली निकाल प्रदर्शन किया। रैली नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए तहसील पहुंचकर सभा में तब्दील हुई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी की हत्याकांड के बाद से ही उत्तराखंड की जनता में गहरा आक्रोश व्याप्त है। कहा कि शुरूआत से ही प्रदेश की जनता वीआईपी के नाम का खुलासे की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

दिल्ली: लक्ष्मी नगर इलाके में दबंगों की गुंडागर्दी

■ बाप-बेटे के कपड़े उतारकर बेरहमी से पीटा

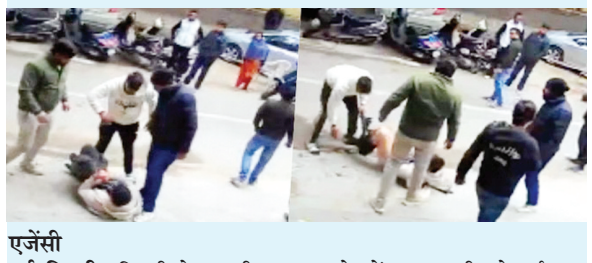

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में 2 जनवरी को हुई एक खौफनाक घटना ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां दबंगों के एक गिरोह ने एक बाप-बेटे को न केवल बेरहमी से पीटा, बल्कि युवक को नंगा कर सड़क पर घसीटते हुए भी पीटा। हैरत की बात यह है कि पुलिस की मौजूदगी में भी दबंग युवक को घसीटते रहे, लेकिन वे मूकदर्शक बने रहे। इस बर्बरता का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बदमाशों की हैवानियत साफ दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित के घर में जिम खोला हुआ है, जिसे लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी विकास यादव, शुभम यादव, ओमकार यादव और पिंटू यादव ने पीड़ित के बेटे को पीटा, फिर उसे घसीटकर सड़क पर ले आए और नंगा कर जूतों से मारा। इस दौरान उसके दांत भी तोड़ दिए गए और सिर पर भी गंभीर चोटें आईं। उसके पिता को भी जिम में नंगा कर पीटा गया। बदमाशों ने पीड़ित की पत्नी के साथ भी मारपीट की। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। फुटेज में साफ दिख रहा है कि कैसे भीड़ तमाशबीन बनी खड़ी रही और किसी ने भी पीड़ित बाप-बेटे को बचाने की जहमत नहीं उठाई।

योगी सरकार का बड़ा फैसला,

पुलिस भर्ती में आयु सीमा पर दी बड़ी राहत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को भरे जाने के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा। सरकार द्वारा यह

निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में 5 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे। योगी सरकार का यह कदम साफ संदेश देता है कि प्रदेश की सरकार युवाओं की वास्तविक समस्याओं को समझती है और समाधान के लिए ठोस फैसले लेने से पीछे नहीं हटती। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को न्यायसंगत अवसर देना, रोजगार के अधिक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराना और प्रशासनिक निर्णयों में संवेदनशीलता बनाए रखना योगी सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुका है। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा, बल्कि यह भी दशार्ता है कि योगी आदित्यनाथ सरकार में युवाओं का भविष्य नीति निर्धारण के केंद्र में है।

सोमनाथ पर गजनवी के आक्रमण के 1000 साल पूरे

मोदी ने लिखा: यह विध्वंस नहीं, हमारे स्वाभिमान की गाथा, मिटाने वाले खत्म हो जाते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुजरात के प्रभास पाटन में बने पहले ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर पर एक लेख लिखा है। यह ब्लॉग पोस्ट सोमनाथ पर 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर है। पीएम ने इसे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व नाम दिया है। गौरतलब है कि विदेशी आक्रमणकारी गजनी के महमूद गजनवी ने जनवरी 1026 में सोमनाथ पर आक्रमण कर उसे ध्वस्त कर दिया था। सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...सौराष्ट्रे सोमनाथं

च...यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ मंदिर, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण कर उसे ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। फिर भी एक हजार साल बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को पुनःनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया।

रेलवे ब्रिज के शिलान्यास पर छिड़ सियासी संग्राम

■ मंत्री के सामने भिड़े कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता

एजेंसी

बेंगलूरू। रेलवे ओवरब्रिज के शिलान्यास कार्यक्रम में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। यह पूरा घटनाक्रम केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना की मौजूदगी में हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि कार्यक्रम स्थल पर कुर्सियां उछलने लगीं और पुलिस को हालात संभालने के लिए बीच में आना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, कार्यक्रम स्थल पर लगे बैनरों में जिला प्रभारी मंत्री शिवराज तंगड़गी और कोप्पल के सांसद राजशेखर हितनाल के नाम नहीं थे। इसी बात को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने आपत्ति जताई। केंद्रीय मंत्री के पहुंचते ही इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया। कांग्रेस कार्यकताओं का आरोप था कि जानबूझकर राज्य सरकार के मंत्री और स्थानीय सांसद के नाम हटाए गए। इसे अपमान बताते हुए उन्होंने विरोध शुरू किया। भाजपा कार्यकताओं ने इसका जवाब दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। बहस इतनी बढ़ी कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। हालात तब और बिगड़े, जब मंच के पास कुर्सियां फेंकी जाने लगीं। पुलिसकर्मियों को आगे बढ़कर भीड़ को काबू में करना पड़ा। कुछ देर के लिए कार्यक्रम स्थल पूरी तरह अव्यवस्थित हो गया। पुलिस को दोनों दलों के कार्यकताओं को अलग-अलग कर हालात शांत कराने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार, हंगामे के दौरान केंद्रीय मंत्री सोमन्ना ने कथित तौर पर कांग्रेस समर्थकों के लिए पतालम शब्द का इस्तेमाल किया।

भाजपा नेता संगीत सोम को बांग्लादेश से धमकी, सरधना थाने में एफआई दर्ज

मेरठ। पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता ठाकुर संगीत सोम को बांग्लादेश से धमकी मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। धमकी भरे फोन कॉल, मैसेज और वीडियो कॉल मिलने के बाद उन्होंने सरधना थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। भाजपा नेता संगीत सोम ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 बजे उन्हें धमकी भरे मैसेज और वीडियो कॉल प्राप्त हुए। इन कॉल्स और मैसेज में उन्हें जान से मारने के साथ-साथ कुछ प्रमुख न्यूज़ चैनलों को उड़ाने की धमकी दी गई। उन्होंने सभी संदिग्ध नंबर पुलिस को जांच के लिए सौंप दिए हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि धमकी देने वाले नंबर बांग्लादेश के हैं। साइबर सेल और अन्य तकनीकी एजेंसियों की मदद से पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि धमकी देने वालों की पहचान की जा सके। बताया जा रहा है कि 31 दिसंबर को संगीत सोम ने बांग्लादेश के एक खिलाड़ी को आईपीएल में शाहरुख खान की टीम द्वारा खरीदे जाने को लेकर बयान दिया था। इस बयान के बाद देशभर में चर्चा शुरू हुई और बाद में बीसीसीआई ने उस खिलाड़ी को टीम से रिलीज करने का फैसला लिया। इसी घटनाक्रम के बाद धमकी मिलने की आशंका जताई जा रही है। धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए संगीत सोम ने साफ कहा कि वह सनातन धर्म और सनातनियों के अधिकारों के लिए आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी धमकियों से वह डरने वाले नहीं हैं और देश व समाज के हित में अपनी बात मजबूती से रखते रहेंगे। सरधना थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

डेरा मुखी राम रहीम सिरसा डेरा पहुंचा :15वीं बार जेल से बाहर आया

एजेंसी

रोहतक। सुनारिया जेल में साध्वियों के यौन उत्पीड़न और पत्रकार की हत्या के मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आ गया है। उसे 40 दिन की पैरोल मिली है। सोमवार को राम रहीम को लेने के लिए सिरसा डेरे से लग्जरी गाड़ियों का काफिला पहुंचा, जिसमें दो बुलेट प्रूफ लैंड क्रूजर, दो फॉर्च्यूनर और दो अन्य गाड़ियां शामिल थीं। सुबह करीब साढ़े 11 बजे वह सुनारिया जेल से सिरसा डेरे के लिए निकला। दोपहर 2:45 बजे वह सिरसा पहुंचा। इस बार

डेरा मुखी 15वीं बार पैरोल या फरलो लेकर जेल से बाहर आया है। इससे पहले डेरा मुखी राम रहीम 15 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाने के लिए जेल से बाहर आया था। डेरा सच्चा सौदा के प्रवक्ता जितेंद्र खुराना ने कहा, "हर कैदी का पैरोल और फरलो का अधिकार होता है। इसके तहत कैदी को एक साल में 70 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो मिलती है। ऐसा नहीं है कि इस पैरोल और फरलो का लाभ सिर्फ गुरुजी को मिलता है।

ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति को धमकी दी

कहा: हमारी बात नहीं मानी तो और बुरा हाल करेंगे, यूएनएससी में इमरजेंसी मीटिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को बुरा हाल करने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा, 'अगर डेल्सी वह नहीं करतीं जो वेनेजुएला के लिए अमेरिका सही मानता है, तो उनका हाल मादुरो से भी ज्यादा बुरा हो सकता है।' ट्रम्प ने यह बात द अटलांटिक मैग्जीन को दिए इंटरव्यू में कही है। इससे पहले न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था- अगर रोड्रिग्ज अमेरिका की बात मान लेती हैं तो वेनेजुएला में अमेरिकी सेना तैनात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, रोड्रिग्ज ने मादुरो को सत्ता से हटाने की आलोचना की है। साथ ही अमेरिका से मादुरो को वापस भेजने की मांग की है। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद आज वठरउ की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई है। इसमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को हिरासत में लेने की वैधता पर चर्चा होगी। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने अमेरिका से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के साथ विकास और शांति के लिए सहयोग का एजेंडा बनाना चाहता है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, हमारे लोग युद्ध नहीं, शांति और बातचीत के हकदार हैं। यही संदेश राष्ट्रपति

मादुरो का हमेशा रहा है और आज पूरे वेनेजुएला का भी यही संदेश है। रविवार देर रात जारी किए बयान में रोड्रिग्ज ने कहा कि अमेरिकी सेना की कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी के बाद भी वेनेजुएला टकराव नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग चाहता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रहते हुए दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को आज मैनहैटन की फेडरल कोर्ट में पेश किया जाएगा। मादुरो पर अमेरिका में हथियार और ड्रग तस्करी के आरोप हैं। शनिवार को मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस को भी केस में शामिल किया गया है। उन पर अपहरण और हत्याओं के आदेश देने का आरोप लगाया गया है। मादुरो ने ड्रग तस्करी से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। उनके मुकदमे की सुनवाई शुरू होने में अभी कई महीने लग सकते हैं। अमेरिकी सैनिकों ने 2 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। उन पर हथियार-ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा। चीन ने मादुरो को गिरफ्तार करने पर कड़ी आपत्ति जताई है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि कोई भी देश खुद को 'दुनिया का जज' या 'दुनिया की पुलिस' नहीं मान सकता। बीजिंग में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात के दौरान वांग यी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हर देश की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने वेनेजुएला की स्थिति का जिक्र किया, लेकिन सीधे तौर पर अमेरिका का नाम नहीं लिया। मादुरो की गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले ही उनकी चीन के विशेष प्रतिनिधि से मुलाकात हुई थी। चीन 2017 से अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद वेनेजुएला को आर्थिक सहयोग देता रहा है। 2024 में चीन ने वेनेजुएला से करीब 1.6 अरब डॉलर का सामान खरीदा, जिसमें लगभग आधा कच्चा तेल था।

2026 के लिए भारतीय सेना का रोडमैप तैयार

शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म में प्लानिंग, एआई, डेटा और डिजिटल नेटवर्क से होगी अगली जंग

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ 88 घंटे की जंग के विश्लेषण के बाद सेना ने अहम बदलावों की रूपरेखा तैयार की है। सेना ने इसे तीन हिस्सों अल्पकालिक (शॉर्ट टर्म), मध्यकालिक (मीडियम टर्म) और दीर्घकालिक (लॉन्ग टर्म) रणनीति में बांटा है। अल्पकालिक रणनीति के तहत 2026 का स्पष्ट रोडमैप बनाया गया है। सेना के सूत्रों ने बताया कि इस साल पूरा जोर हथियार हासिल करने की बजाए युद्ध के पूरे वातावरण की त्वरित जानकारी, नेटवर्क और तेज

फैसलों पर केंद्रित रहेगा जो ऑपरेशन सिंदूर का अहम सबक है। सेना ने साल 2026 को नेटवर्किंग और डेटा सेंट्रिसिटी और 2027 में ऑपरेशंस के एआई से पूर्ण इंटीग्रेशन के रूप में मनाने का फैसला किया है। इस प्रक्रिया से जुड़े शीर्ष अधिकारी ने बताया कि यह फैसला सेना की लंबे समय से चल रही परिवर्तन योजना का अगला कदम है। सेना ने साल 2023 से 2032 को परिवर्तन का दशक घोषित किया है। इसके तहत 2023 में संगठन, सोच और काम करने के तरीकों में सुधार 2024 को तकनीक आत्मसात और 2025 में जमीनी स्तर पर बदलाव का रोडमैप अपनाया गया है। स्ट्रैटजिक कम्युनिकेशन में भी बदलाव किए जा रहे हैं। योजना यह है कि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी, दुश्मन और घरेलू कम्युनिकेशन के लिए अलग-अलग कंटेंट और माध्यम तय हों। नैरेटिव वॉर में दुश्मन के झूठ तंत्र को फेल किया जाए। राजनीतिक नेतृत्व, तीनों सेनाओं के बीच संवाद और मीडिया के साथ तालमेल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सेना की स्टडी में सामने आया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सही समय पर सटीक जानकारी कितनी जरूरी है। एआई और ऑटोमेशन का भरपूर इस्तेमाल होगा। यह तीन स्तंभों डेटा, नेटवर्क और फौजी आंकड़ों पर खड़ा होगा। साइबर तंत्र के माध्यम से तय होगा कि कौन-सी जानकारी कहां से आएगी और उसे कैसे सुरक्षित रखा जाएगा।

सेना देशभर में फैले अपने डिजिटल नेटवर्क, डेटा सेंटर और सॉफ्टवेयर सिस्टम सेंटरों का साझा प्लेटफॉर्म तैयार करेगी। इससे जंग के मैदान में तैनात सैनिक से लेकर कमांडर तक सबको अपडेट जानकारी मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपने हित हेतु वेनेजुएला पर अमेरिका का हमला

(लेखक-संजय गोस्वामी)

अमेरिकी आर्मी ने वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है. इस बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी है. उन्होंने साफ कर दिया है कि फिलहाल यूएस वेनेजुएला का शासन संभालेगा. इससे पहले ट्रंप ने हथकड़ी और आंखों पर पट्टी बांधे मादुरो की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह एक अमेरिकी युद्धपोत पर सवार थे. उधर, लैटिन अमेरिका, यूरोप, रूस और चीन समेत कई देशों ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमलों की निंदा की और तनाव कम करने की अपील की. वहीं, कराकस में अमेरिकी हमले में कम से कम 40 लोगों की मौत की भी खबरें सामने आ रही हैं. यह खेल दरअसल ड्रग्स का नहीं कच्चे तेल के व्यापार का है जहाँ उसे फायदा दिख रहा है क़ोई देश क्या कर रहा है इसपर अमेरिका क्यों दखल देता है ऐ उसके सम्प्रभूता पर गहरा चोट है आप अपने पास क्या रखते क्या खाते है क्या पहनते हैँ क्या कारोबार करते हैँ यह आतंरिक मामला है इसलिए अमेरिका को इसमें दखल नहीं देना चाहिए लेकिन बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है इसलिए वहाँ तेल का सबसे बड़ा निर्यात है अरबों डालर का व्यवसाय है जिसने रूस और चीन के साथ करार किया और अमेरिका को नहीं शामिल किया इसलिए डोनाल्ड ट्रम्प ने साफ तेल के व्यापार पर अपने नियंत्रण की बात भी कह दि और शासन भी चलाएगा दरअसल अब सभी देशों को इससे सिख लेनी चाहिए यदि आपके पास ताकत है रक्षा का बजट जितना ज्यादा है रक्षा पर जितना हथियार है सब ले लो और परमाणु हथियार जरूर रखो ना कि निर्दोष लोगों को जैसे 1945 में अमेरिका ने हीरोशिमा और नागासाकी पर गिरा कर लाखों लोग को मौत के घाट उतार दिए बल्कि अपने देश के आत्मरक्षा हेतु जरुरी है क्योंकि एटम बम का अब खेल हो रहा है जहाँ नहीं है वहाँ अमेरिका अटैक करेगा और अमेरिका ने जापान पर एटम बम गिराने के बाद ही अपने को सुपर पावर समझता है अतः देश पहले है आत्मरक्षा हेतु यह जरुरी है कि ऐसा हथियार मेरे पास है जो आग बनकर बरसेगा, और देश के ऊपर यदि गलती से आँख उठा कर देखा तो विनाश भी देख लेना भगवान शंकर हमेशा शांत ही रहते हैं ध्यान में लेकिन यदि उनकी शांति भंग हुई तो तांडव भी कर सब बर्बाद करने की ताकत है यही कारण है कि जब भारत ने अमेरिका के दबाब के बाद भी 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण किये तो दूसरा देश डरा था ऐ हमारे वैज्ञानिकों और अटलजी का देश के प्रति निष्ठा थी जिसमें सफलता मिली और भारत को अमेरिका से सतर्क होने की जरुरत है क्योंकि आए दिनों जिस तरह पाकिस्तान और बांग्लादेश में अमेरिका का सपोर्ट आतंकवादी को सजाने के लिए किया वो भारत के ऊपर एक घेरने की रणनीति बना रहा है अमेरिका में खुद 6000 के करीब परमाणु अस्त्र हैं फिर भी परीक्षण करता रहता है केवल डराने के लिए और भारत के आंतरिक मामलों और व्यापार पर निगाहेँ गड़ा रहा है नहीं चाहिए ऐ व्यापार और उसके साथ क़ोई भी परमाणु सयन्त्र लगाने की जरुरत क्योंकि बाद में अमेरिका के सीआईए के एजेंट भी कई देशों में हैं और जब वो रातोंरात वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को बंधक बनाया उससे ऐ साबित होता है कि हम ही सब कुछ कर सकते हैँ जो अपराध की श्रेणी में है ईरान में भी सीआईए के एजेंट थे और उसके घर में घुसकर बंकर ब्लस्टर बम से उसके परमाणु सयन्त्र को नष्ट कर बजापते ऐ कहना कि अमेरिका जो कर सकता है वो क़ोई नहीं ऐ एक पहले ही धमकी को हकीकत में बदलने की शुरुआत हो गईं थी और सीरिया में सत्ता परिवर्तन में भी अमेरिका का हाथ था आखिर इतना हथियार कौन देगा और अचानक कुछ ही हफ्तों में रिजिम चेंज कारना इसलिए भारत में तमाम टीवी चैनल को अब भारत की किसी भी सत्ता या देश की समस्या को दिखाना नहीं चाहिए क्योंकि इससे विदेशी ताकत हावी होते हैँ और इसका लाभ परोसी दुश्मन देश को मिलता है और यदि सत्ता परिवर्तन चाहिए तो भारत में लोकतान्त्रिक व्यवस्था है उससे आप कर सकते हैँ लेकिन जिसका ना क़ोई सर है ना पैर कि 19 नवंबर 25 को नया प्रधानमंत्री मिलेगा वोट चोरी और अडानी अम्बानी पर व्यान देना ठीक नहीं है ना ही ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़े करना अब हमें शांति से देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जमीनी धरातल पर खासकर रक्षा के क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता है क्योंकि युद्ध करना आज आसान नहीं है इसमें दूसरे देश भी शामिल हो जाते हैँ और हमारे सेना को हमेशा तारीफ करना चाहिए जो देश की रक्षा करते हैँ

जैसा की मालूम है की वेनेजुएला,के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में हेलीकॉप्टर से पहुंचे गए. इसके बाद उन्हें भारी सुरक्षा वाले बख्तरबंद मोटरकेड में ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (ष्ठश्व) के दफ्तर ले जाया गया, क्योंकि मादुरो पर ड्रग तस्करी और नार्को-टेररिज्म के गंभीर आरोप हैं.वेनेजुएला की राजधानी कराकस पर किए गए अमेरिकी हमले के बाद राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया है. अमेरिका ने इस ऑपरेशन को ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व नाम दिया है. वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि फिलहाल वेनेजुएला को अमेरिका चलाएगा.वेनेजुएला के पास सेना बहुत है लेकिन न्यूक्लियर हथियार नहीं है इसलिए अमेरिका इसका फायदा उठा रहा है इसमें चीन और रूस अमेरिका से नहीं लड़ेगा क्योंकि उसे मालूम है इससे उसका भी काफी नुकसान होगा और दूसरी तरफ रूस खुद ही यूक्रेन के युद्ध में फंसा है इसलिए वो भी इसमें उलझना नहीं चाहेगा क्योंकि यदि उलझना होता तो ईरान के युद्ध में या सीरीया के तख्तापलट पर ही उलझ जाता लेकिन ऐसा हुआ नहीं वेनेजुएला ने एटम बम क्यों नहीं बनाये क्योंकि उसने डर से सीटीवीटी पर हस्ताक्षर कर दिए थे

वेनेजुएला के न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम 1950 के दशक में शुरू हुए थे, लेकिन अभी कोई एक्टिव न्यूक्लियर पावर फैसिलिटी नहीं है। वेनेजुएला की ज़्यादातर न्यूक्लियर साइंस एक्टिविटीज़ वेनेजुएला इंस्टीट्यूट फॉर साइंटिफिक रिसर्च (**IVIC**) में होती हैं। वेनेजुएला ने 2017 में न्यूयॉर्क में यूनाइटेड नेशंस में **TPNW** की बातचीत में हिस्सा लिया था और उन 122 देशों में से एक था जिन्होंने इसे अपनाने के पक्ष में वोट दिया था।

बातचीत कॉन्फ्रेंस में अपने शुरुआती बयान में, वेनेजुएला ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि मिलकर एक मज़बूत और ठोस फाइनल डॉक्यूमेंट हासिल करेंगे जो न्यूक्लियर हथियारों पर रोक लगाएगा, जो उनके पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में एक शुरुआती कदम होगा।

अपने आखिरी बयान में, उसने कहा कि न्यूक्लियर हथियारों का कोई भी इस्तेमाल इंसानियत के खिलाफ़ अपराध है, और जोड़ाः कोई भी सुरक्षा सिद्धांत, किसी भी देश का कोई भी राष्ट्रीय हित, कोई भी मिलिट्री ब्लॉक इंसानों की बड़े पैमाने पर हत्या या ग्रह के विनाश को सही नहीं ठहरा सकता। जीवन और शांति का तर्क जीतना चाहिए।

2016 में, वेनेजुएला ने यूनाइटेडन नेशन जनरल असेंबली के उस प्रस्ताव को को-स्पॉन्सर किया था जिसने देशों के लिए न्यूक्लियर हथियारों पर रोक लगाने के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी दस्तावेज़ पर बातचीत शुरू करने का औपचारिक आदेश स्थापित किया, जो उनके पूरी तरह से खत्म करने की ओर ले जाएगा।लेकिन यदि हिम्मत बांध कर कर लिया होता तो अमेरिका का हमला नहीं होता क्योंकि अपनी लड़ाई खुद ही लड़नी होती है और आत्मरक्षा हेतु परमाणु हथियार जरुरी है जिससे डर हो।

वेनेजुएला के न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम 1950 के दशक में शुरू हुए थे, लेकिन अभी कोई एक्टिव न्यूक्लियर पावर फैसिलिटी नहीं है। वेनेजुएला की ज़्यादातर न्यूक्लियर साइंस एक्टिविटीज़ वेनेजुएला इंस्टीट्यूट फॉर साइंटिफिक रिसर्च (IVIC) में होती हैं। वेनेजुएला ने 2017 में न्यूयॉर्क में यूनाइटेड नेशंस में TPNW की बातचीत में हिस्सा लिया था और उन 122 देशों में से एक था जिन्होंने इसे अपनाने के पक्ष में वोट दिया था।

संपादकीय

वेनेज़ुएला पर हमला

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेज़ुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेज़ुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है। निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेज़ुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेज़ुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेज़ुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर-सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

सरहदों की भेंट चढ़ता बचपनः जब जन्म देने वाली धरती ही पराई हो जाए

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(06 जनवरी विश्व युद्ध अनाथ दिवस)

युद्ध अनाथों का विश्व दिवस प्रतिवर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य दुनिया भर के उन निर्दोष बच्चों की व्यथा को वैश्विक मंच पर लाना है, जिन्होंने युद्ध की आग में अपने माता-पिता और अपना घर खो दिया है। जब दो देशों या गुटों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता है, तो उसकी सबसे भारी कीमत अक्सर बच्चे ही चुकाते हैं। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि यह हजारों परिवारों को उजाड़ देता है और बच्चों को एक ऐसे अंधेरे भविष्य की ओर धकेल देता है जहाँ न तो सिर पर साया होता है और न ही मन में सुरक्षा का भाव। युद्ध के कारण अनाथ हुए इन बच्चों को विस्थापन की कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ता है, जहाँ उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी बनकर शिविरों में रहना पड़ता है। गरीबी और संसाधनों की कमी उनके जीवन का हिस्सा बन जाती है, जिससे उन्हें पर्याप्त भोजन, साफ पानी और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ भी नहीं मिल पातीं। शिक्षा, जो किसी भी बच्चे के विकास की नींव होती है, युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में पूरी तरह ठप हो जाती है, जिससे इन बच्चों का भविष्य और भी असुरक्षित हो जाता है।

युद्ध अनाथों के विश्व दिवस का प्राथमिक उद्देश्य उन मासूम बच्चों के अधिकारों के लिए पुरज़ोर तरीके से आवाज़ उठाना एवं उनके लिए संसाधनो को मुहैय्या कराने की ज़िम्मेदारी को उठाना जिनका जीवन युद्ध की विभीषिका ने पूरी तरह बदल दिया है। यह दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और आम नागरिकों के लिए एक सामूहिक आह्वान है कि वे आगे आएं और इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाएं। इस दिन का सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया को यह समझाना है कि युद्ध में अनाथ हुए बच्चे केवल भोजन या कपड़ों के मोहताज नहीं हैं, बल्कि उन्हें कानूनी सुरक्षा, नागरिकता की पहचान और एक गरिमापूर्ण जीवन जीने का पूरा अधिकार है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए 6 जनवरी को दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सेमिनार, शांति मार्च और डिजिटल अभियान प्रमुख हैं। इन पहलों के जरिए उन चुनौतियों को उजागर किया जाता है जिनका सामना ये बच्चे हर दिन करते हैं, जैसे कि शिक्षा से वंचित रहना, जबरन मजदूरी में धकेला जाना या युद्ध अपराधी समूहों द्वारा उनका शोषण किया जाना।

आज जब हम आधुनिकता और मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, तब युद्ध झेल रहे मुल्कों की बदतर होती स्थिति हमारे दावों की पोल खोल देती है। मासूम बच्चे, जिनका राजनीति या सत्ता के संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं होता, सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते हैं। वे या तो अपने ही देश में बने तंग राहत शिविरों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, या फिर उन्हें शरणार्थी बनाकर उनके देश से निकाल दिया जाता है। यदि हम खुद को मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध कहते हैं और फिर भी इन बच्चों की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो मूल्यांकन करने पर हम मानवता के पैमाने पर बहुत पीछे खड़े नजर आएंगे। यह एक यक्ष प्रश्न है कि यदि कोई बच्चा युद्ध की आग के कारण अपना घर, अपना बचपन और अपना मुल्क खो चुका है, तो क्या उसे केवल विदेशी या बोझ मानकर दर-दर भटकने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए? शरणार्थी संकट के दौरान अक्सर देशों की सीमाएं इन मासूमों के लिए बंद कर दी जाती हैं, जो कि नैतिकता की हार है। हमें यह सोचना होगा कि यदि ईश्वर ने उसे इस दुनिया में जन्म दिया है, तो क्या इस विशाल धरती पर उसके लिए दो गज जमीन और सर ढकने के लिए एक छत का भी अधिकार नहीं है? क्या किसी बच्चे का अस्तित्व केवल उसके पासपोर्ट या नागरिकता के दस्तावेजों तक सीमित है?

सच्चाई यह है कि धरती की कोई भी सीमा उस मानवीय अधिकार से बड़ी नहीं हो सकती, जो हर बच्चे को सुरक्षा और गरिमा प्रदान करती है। यदि हम ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि पूरी पृथ्वी ही ईश्वर का घर है और यहाँ जन्म लेने वाला प्रत्येक जीव यहाँ रहने का जन्मसिद्ध अधिकार रखता है। मानवीय मूल्यों का दिखावा करने के बजाय अब समय है कि दुनिया वसुधैव कुटुंबकम पूरी पृथ्वी एक परिवार है के सिद्धांत को धरातल पर उतारे। किसी भी बच्चे को केवल इसलिए नकारा नहीं जाना चाहिए क्योंकि उसका मुल्क युद्ध की भेंट चढ़ गया। उन्हें संरक्षण देना, उन्हें अपनाना और उनके जीवन को पुनः संवारना ही ईश्वर की सच्ची सेवा और मानवता की वास्तविक जीत है।

(लेखक पत्रकार हैं)

माँ है तो सबकुछ है

माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं। जो अपनी माँ को प्रसन्न रखता है, वह उसके आशीर्वाद का वरदान भी पाता है। ऐसी परम उपकारी वात्सल्य मूर्ति माँ की आँखों में कभी आँसू नहीं आने देना। जो विनयपूर्वक परमात्मा और सद्गुरु के चरणों में समर्पित हो जाता है, वह सबकुछ पा जाता है। सद्गुरु हमें ज्ञान देते हैं। सद्गुरुरूपी नाविक के साथ धर्मरूपी नौका में बैठकर इंसान संसार सागर को पार कर लेता है। आज व्यक्ति धन-वैभव का अहंकार करता है, परंतु वह अंत में धराशायी हो जाता है। जिसके जीवन में विनय का गुण है, वह ज्ञान प्राप्त कर सकता है। माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं।

विचार मंथन

वैश्विक कानूनः जिसकी लाठी उसकी भैंस?

(लेखक-सनत जैन)

राष्ट्रपति बंधक, वेनेजुएला में तख्तापलट

अमेरिका ने एक बार फिर साबित कर दिया है। वैश्विक व्यवस्था में अंतरराष्ट्रीय कानूनों में नैतिकता और न्याय का कोई स्थान नहीं है। हर देश की ताकत निर्णायक है। जिस तरह एक संप्रभु देश के राष्ट्रपति पर हमला करके कथित तौर पर पति-पत्नी का अपहरण कर बंदी बनाया गया है। उसने सारी दुनिया को हतप्रभ कर दिया है। यह घटना किसी एक व्यक्ति या संगठन तक सीमित नहीं है । यह घटना अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीतिक सबंधों और राष्ट्रों की संप्रभुता पर सीधा हमला है। संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के लिए भी यह घटना एक बड़ी चुनौती है ।

अमेरिका स्वयं को मानवाधिकार एवं लोकतांत्रिक कानून का सबसे बड़ा संरक्षक बताता है । इस घटना ने उसके दोहरे मापदंडों को उजागर कर दिया है। अमेरिका के खाने वाले दांत अलग और दिखाने वाले दांत अलग हैं । अंतरराष्ट्रीय कानून कहता है, किसी देश की राजनीतिक नेतृत्व संरचना में इस तरह का कृत्य पूर्ण रूप से अवैध है। इसके बावजूद अमेरिका ने 卐राष्ट्रीय सुरक्षा卐 और 卐आतंकवाद के विरोध卐 जैसे तर्कों की आड़ में राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का ऐसे समय पर अपहरण किया है। जब 1 घंटे पहले ही चीन का एक प्रतिनिधि मंडल उनके साथ चर्चा कर रहा था । संदेश साफ है,शक्ति है, तो नियम अपने आप बन जाते हैं। रूस और चीन जैसे शक्तिशाली देश इस घटनाक्रम पर असहज हो गये हैं। यूरोप, एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई देशों में इस घटना के बाद यह आशंका पैदा हो गई है। इस तरह की घटना समर्थ देश किसी भी अन्य देश के साथ कर सकते हैं। वर्तमान में यह घटना वेनेजुएला के राष्ट्रपति के साथ घटी है । भविष्य मे किसी अन्य देश मे ताकत के बल पर यह घटना हो सकती है । ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय कानूनो और अंराराष्ट्रीय संस्थाओं का कोई महत्व नहीं रह जाएगा । सबकी अपनी ढपली और अपना राग होगा।

यह घटना वैश्विक राजनीति में भय एवं तोड़फोड़ का नया अध्याय है । छोटे और मध्यम देश अपने आप को अधिक असुरक्षित महसूस करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम में भारत की खामोशी सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गई है। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में पहचाना जाता है । पिछले कुछ वर्षों से इसे 卐विश्व गुरु卐 के रूप में प्रचारित किया जा रहा है । भारत आर्थिक दृष्टि से सबसे तेजी के साथ बढ़ता हुआ देश है ।उसकी ओर से इतनी बड़ी घटना पर कोई स्पष्ट और सशक्त प्रतिक्रिया नही आना भारत सहित वैश्विक मंच पर कई सवाल खड़े करता है। क्या भारत अमेरिका से इतना डरता है? रणनीतिक एवं व्यापारिक साझेदारी के नाम पर लोकतांत्रिक मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय कानूनो की अनदेखी पर भारत सरकार चुप रह सकती है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की आलोचना अब देश के अंदर बड़े पैमाने पर होने लगी है । मोदी सरकार कब तक चुप्पी साध कर इस तरह की घटनाओं से बच सकती है। दुनिया के देशों में जिस तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। उसमें भारत सरकार की चुप्पी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गई है। वेनेजुएला की यह घटना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यदि किसी देश के राष्ट्रपति और उसकी पत्नी को इस तरह से अपहरण कर बंदी बनाया जा सकता है। भारत इतनी बड़ी घटना पर चुप रह जाता है । इस स्थिति पर दुनिया के देश भारत और भारत सरकार पर किस तरह से विश्वास करेंगे। इस तरह की घटना आम नागरिकों, पत्रकारों शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों की असहमति की आवाजों को क्या भारत में भी इसी तरह से दबाया जाएगा, तो आगे चलकर क्या होगा? भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का जिस तरह से इस्तीफा कराया गया । अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति का अपहरण और गिरफ्तारी पर अब लोग भारत में ही चर्चा एवं तुलना करने लगे हैं। यह घटना केवल अमेरिका की दादागिरी और ताकत का प्रदर्शन मात्र नहीं है। बल्कि वैश्विक व्यवस्था को आपस में जोड़े रखने के लिए जो अंतरराष्ट्रीय कानून बनाए गए थे। जिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के ऊपर नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी थी । अंतरराष्ट्रीय जगत में उन संस्थाओं की कमजोरी और दयनीय स्थिति का यह एक आईना है। आज दुनिया को यह सोचने की जरूरत है, क्या अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ कमजोर देशों पर लागू होंगे । शक्तिशाली देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून कागज की किताबों पर लिखे शब्द बनकर रह जाएंगे? अमेरिका द्वारा जिस तरीके से प्रतिबंधों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है । विभिन्न देशों की पूंजी और संपत्ति को अमेरिका द्वारा मनमाने तरीके से जप्त किया जा रहा है ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उड़ान के दौरान कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चार्ज करना प्रतिबंधित- डीजीसीए

विमान में सीट में लगे पावर सॉकेट से भी पावर बैंक चार्ज करने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली । विमानन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डीजीसीए ने पावर बैंक और लिथियम बैटरी वाले उपकरणों से जुड़े नियमों को सख्त कर दिया है। नए नियमों के तहत उड़ान के दौरान पावर बैंक से मोबाइल, लैपटॉप या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को चार्ज करना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। अब विमान में सीट में लगे पावर सॉकेट से पावर बैंक चार्ज करना की भी अनुमे ति नहीं होगी। केवल हैंडबैग में पावर बैंक और अतिरिक्त बैटरियां ले जाने की अनुमति होगी। इन्हें चेक-इन बैगेज या ओवरहेड बिन में रखने की अनुमति नहीं है। डीजीसीए ने एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे यात्रियों को नए नियमों के बारे में उड़ान से पहले अवगत कराएं। यदि किसी डिवाइस में अत्यधिक गर्मी, धुआं, आग या अजीब गंध महसूस हो, तो यात्री को तुरंत केबिन क्रू को सूचित करना होगा। साथ ही, लिथियम बैटरी से जुड़ी किसी भी सुरक्षा घटना की रिपोर्ट डीजीसीए को तुरंत देना एयरलाइंस के लिए अनिवार्य होगी। एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि एक यात्री, एक हैंडबैग नियम को सख्ती से लागू करना जरूरी है। ओवरहेड बिन में हैंडबैग भर जाने पर एयरलाइंस अक्सर उन्हें कार्गो होल्ड में रख देती हैं, जिससे लिथियम बैटरी के कारण जोखिम बढ़ सकता है। एमिरेट्स एयरलाइंस और सिंगापुर एयरलाइंस ने पहले ही उड़ान के दौरान पावर बैंक के इस्तेमाल और चार्जिंग पर रोक लगा दी थी। नियम के अनुसार यात्रियों को केवल 100 वाट-घंटे से कम क्षमता वाले पावर बैंक ही ले जाने की अनुमति है।

कैथे कार्गो ने भारत को रणनीतिक बाजार बताया

कंपनी हैदराबाद, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे प्रमुख केंद्रों पर सेवाएं बढ़ाएगी

हांगकांग । हांगकांग स्थित हवाई मालवाहक संचालक कैथे कार्गो ने भारत को अपने लिए रणनीतिक बाजार बताया है। कंपनी वर्तमान में प्रति सप्ताह 13 मालवाहक उड़ानें संचालित कर रही है- दिल्ली और चेन्नई के लिए पांच-पांच तथा मुंबई के लिए तीन। कैथे कार्गो के दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका खंड के प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने के साथ कंपनी भारत में निवेश बढ़ाने की योजना बना रही है। उन्होंने भारत में 1953 से अपनी सेवाएं शुरू करने और 2000 में मालवाहक संचालन बढ़ाने का जिक्र किया। उन्होंने मेक इन इंडिया और प्रधानमंत्री गति शक्ति जैसी पहलों को निवेशकों के लिए मार्ग प्रशस्त करने वाला बताया। लॉजिस्टिक क्षेत्र में विस्तार और लागत कम करने के अवसरों को भी उन्होंने रेखांकित किया। कैथे कार्गो के निर्देशक ने कहा कि को-टर्मिनलाइजेशन के माध्यम से कंपनी हैदराबाद, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे प्रमुख केंद्रों तक सेवाएं बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत में मांग बढ़ रही है और व्यवसाय के अवसर भी लगातार मजबूत हो रहे हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का कुल ऋण 19.61 फीसदी बढ़ा

- कुल कारोबार 5.95 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली । बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने अक्टूबर-दिसंबर 2025 की तिमाही में कुल ऋण में 19.61 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। इस दौरान बैंक का कुल बकाया ऋण बढ़कर 2.73 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 2.29 लाख करोड़ रुपये था। कुल ऋण में कॉरपोरेट ऋण 1.02 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई (आरएएम) ऋण 1.71 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। बीओएम का कुल कारोबार, यानी कुल ऋण और जमा, 17.24 प्रतिशत बढ़कर ` 5.95 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल दिसंबर के अंत में यह 5.08 लाख करोड़ रुपये था। चालू खाते और बचत खाते में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। यह सालाना आधार पर 15.93 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 1.37 लाख करोड़ रुपये था।

वेनेजुएला के तेल संकट पर अमेरिका की नजर, भारत के लिए अवसर भी

- देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन में गिरावट

नई दिल्ली । वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की 3 जनवरी को गिरफ्तारी के बाद देश के तेल सेक्टर पर चर्चा तेज हो गई है। देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन लगातार गिरता रहा है। 2010 में रोजाना लगभग 20 लाख बैरल तेल निकाला जाता था, जबकि नवंबर 2025 में यह घटकर केवल 9 लाख बैरल प्रति दिन रह गया। विशेषज्ञों के अनुसार वेनेजुएला में तेल उत्पादन तेजी से बढ़ाना आसान नहीं है। सरकारी तेल कंपनी पीडीवीएसए में लंबे समय से निवेश की कमी और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण 2026 में केवल 1.5 लाख बैरल प्रति दिन की बढ़ोतरी संभव है। बंदरगाहों पर जहाजों को तेल भरने में पांच दिन लगते हैं, पाइपलाइन लीकेज हो रही हैं और कई रिफाइनरी बंद हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए अगले 10 साल में करीब 100 अरब डॉलर निवेश की जरूरत होगी। अमेरिका की तेल कंपनियां भारी कच्चा तेल निकालने में दिलचस्पी दिखा सकती हैं। हालांकि, स्थिरता और सुरक्षा न होने के कारण बड़े निवेश में हिचकिचाहट है। भारत की कुछ सरकारी तेल कंपनियां पहले से पीडीवीएसए के साथ काम कर रही हैं। अगर निवेश और मशीनरी आसानी से मिलें, तो उत्पादन बढ़ सकता है। भारत पहले वेनेजुएला से रोजाना लगभग 4 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो सस्ता और भारी कच्चा तेल होने के कारण रिफाइनरियों के लिए लाभकारी है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.30 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे टूटकर 90.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से रुपये में गिरावट आने के आसार हैं हालांकि कच्चे तेल की कम कीमतें कुछ हद तक राहत प्रदान कर सकती हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.21 पर खुला। शुरुआती कारोबार में और टूटकर 90.24 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया शुक्रवार को 22 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.20 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.50 पर रहा।

अवांसे फाइनेंशियल ने 1200 करोड़ राइट्स इश्यू के जरिए जुटाए

नई दिल्ली।

अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज, एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने मौजूदा शेयरधारकों वारबर्ग पिंकस, केदारा कैपिटल और अल्फा इन्वेस्टमेंट कंपनी एलएलसी से 1200 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह राइट्स इश्यू के माध्यम से हुआ। कंपनी का कहना है कि यह कदम शेयरधारकों के मजबूत विश्वास और विविध वित्तपोषण आधार को दर्शाता है। अवांसे सतत विकास, जोखिम प्रबंधन और निष्पादन क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय छात्रों की शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्रिय है। नए जुटाए गए धन का उपयोग शिक्षा ऋण वितरण बढ़ाने, शैक्षणिक अवसंरचना सुधारने और संस्थागत साझेदारियों को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। कंपनी का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में विस्तार और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 322, निफ्टी 78 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान गैस उर्जा और आईटी शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी जिससे भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 322.39 अंक नीचे आकर 85,439.62 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 78.25 अंक फिसलकर 26,250.30 पर बंद हुआ। आज निफ्टी रियल्टी,, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.04 , निफ्टी कंज्यूमर, निफ्टी एफएमसीजी में तेजी रही जबकि

निफ्टी आईटी , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.32 शेयरों में गिरावट रही।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एसबीआई के शेयर उछले जबकि एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एचसीएलटेक, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और महिंद्रा के शेयर गिरे। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 100.20 अंक टूटकर 61,265.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 94.35 अंक फिसलकर 17,926.40 पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार कमजोर शुरुआत के साथ गिरावट पर खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 85,640 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वहीं एनएसई का निफ्टी लगभग सपाट रुख के साथ 26,333 अंक पर खुला और 32.50 अंक की गिरावट के साथ 26,296 अंक पर ट्रेड करता दिखा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिली। जापान को छोड़कर एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एमएससीआई इंडेक्स 1.2 फीसदी चढ़ा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 2.8 फीसदी उछलकर करीब दो महीने पहले बने रिकॉर्ड स्तर के पास पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ताइवान का शेयर बाजार भी 2 फीसदी से अधिक की तेजी के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। चीन के बाजारों में सुस्ती बनी रही। हैंग सेंग इंडेक्स में केवल 0.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

वेनेजुएला में संकट के चलते शेयर बाजार में ऑयल कंपनियों के शेयरों में तेजी

मुकेश अंबानी को सबसे ज्यादा फायदा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर शिखर पर पहुंचे

नई दिल्ली।

वेनेजुएला पर अमेरिका हमले के बाद सोमवार को शेयर बाजार में ऑयल कंपनियों के शेयरों में तेजी रही, खासतौर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को वेनेजुएला संकट का सबसे ज्यादा फायदा मिल रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर शिखर पर पहुंच गए हैं और नया रिकॉर्ड बनाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर एक फीसदी से ज़्यादा चढ़कर 1,611.8 रुपए प्रति शेयर के नए 52 हफ़्ते के हाई पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा ओएनजीसी के शेयरों ने भी 2 फीसदी की तेजी दिखाई, लेकिन बाद में गिर गए। ऑयल मार्केटिंग कंपनीज- आईओसी, बीपीसीएल, और एचपीसएल के शेयरों भी शुरुआती बढ़त के बाद गिरावट देखी गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर हमले के बाद सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें थोड़ी बढ़ गईं, क्योंकि निवेशक यह सोच रहे थे कि ओपीईसी सदस्य वेनेजुएला में राजनीतिक उथल-पुथल से सप्लाई वाले बाज़ार में शिपमेंट में कोई रुकावट आएगी। वहीं, कुछ एनालिस्ट्स को उम्मीद है कि इस डेवलपमेंट से तेल की कीमतें कम होंगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि संभावित अमेरिकी अधिग्रहण से वेनेजुएला के कच्चे तेल के एक्सपोर्ट पर लगे प्रतिबंध हट सकते हैं। ऐसे में रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ब्रेंट के मुकाबले डिस्काउंट पर कच्चा तेल खरीद सकती है, जिससे कंपनी

का ग्रॉस रेवेन्यू मार्जिन बढ़ेगा। बता दें रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी है। पिछले एक साल में इस स्टॉक ने 30 फीसदी से ज्यादा की तेजी दिखी, जबकि पांच साल में यह शेयर 65 फीसदी रिटर्न दे चुका है। हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों पर ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने ओवरवेट की रेटिंग के साथ प्रति शेयर पर 1,847 का टारगेट प्राइस दिया था।

भारत के आठ बड़े शहरों में ऑफिस स्पेस की मांग 25 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत के आठ प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थान की मांग 25 फीसदी बढ़कर 6.14 करोड़ वर्गफुट हो गई। पिछले साल यह मांग 4.91 करोड़ वर्गफुट थी। बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, दिल्ली-एनसीआर और चेन्नई में शुद्ध ऑफिस पट्टे की मांग बढ़ी, जबकि मुंबई, कोलकाता और अहमदाबाद में गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि घरेलू और विदेशी कंपनियों की बढ़ती गतिविधियाँ, वैश्विक क्षमता केंद्रों का विस्तार और तकनीकी अपनाने में वृद्धि प्रमुख कारण हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह आंकड़े केवल संख्याएं नहीं बल्कि दीर्घकालिक मजबूती और स्थायी वृद्धि का संकेत हैं। 2026 में भी ऑफिस स्पेस की मांग मजबूत रहने की संभावना है।

बिना बिके घरों की संख्या में आया उछाल.....सबसे ज्यादा बुरी हालत बेंगलुरु के रियल एस्टेट बाजार की

मुंबई ।

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर के लिए साल 2025 का अंत मिला-जुला रहा, एक ओर जहां नए प्रोजेक्ट्स की बाढ़ आई, वहीं खरीदारों की मांग में आई नरमी ने बिना बिके घरों के आंकड़ों को ऊपर पहुंचा दिया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश के सात प्रमुख शहरों में बिना बिके घरों की संख्या में 4 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जिससे अब बाजार में करीब 5.77 लाख यूनिट्स खरीदारों का इंतजार कर रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु के रियल एस्टेट बाजार में सबसे ज्यादा असर दिखाई दिया है। यहां बिना बिके घरों के स्टॉक में 23 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। यह दिखाता हैं कि नए प्रोजेक्ट्स की तुलना में खरीदारों की दिलचस्पी यहां कुछ कम हुई है। वहीं हैदराबाद और मुंबई (एमएमआर) में सकारात्मक संकेत मिले हैं। हैदराबाद में बिना बिके घरों में 2 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण नए प्रोजेक्ट्स की सप्लाई पर लगाम लगना है। साल 2024 के अंत में यहां 97,765 यूनिट्स थीं, जो 2025 के अंत तक घटकर 96,140 रह गईं। मुंबई देश के सबसे महंगे रियल एस्टेट

बाजार में भी स्टॉक में 1 प्रतिशत की मामूली कमी देखी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में दिल्ली-एनसीआर भारत के टॉप 7 शहरों में आवासीय कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करने वाला क्षेत्र बना हुआ है। यहां घरों की औसत कीमतों में 23 प्रतिशत रिकॉर्ड उछाल आया, जो साल 2024 के 7,550 प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 के अंत तक 9,300 प्रति वर्ग फुट पहुंच गया। हालांकि, देश के अन्य प्रमुख शहरों में कीमतों की यह बढ़त पिछले साल (2024) की 13-27 प्रतिशत की तुलना में इस बार महज 4 से 9 प्रतिशत के बीच ही सिमटी गई।

एनएससी में 2,50,000 जमा करके पाएं 1,16,062 का फिक्स रिटर्न

- योजना पर मिलता है सालाना 7.7 प्रतिशत ब्याज

मुंबई ।

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) भारत सरकार द्वारा समर्थित एक ऐसा निवेश विकल्प है, जो जोखिम-मुक्त होने के साथ निवेशकों को निश्चित रिटर्न देता है। वर्तमान में इस योजना पर सालाना 7.7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। ब्याज दर निवेश के समय तय होती है और पूरे निवेश अवधि के लिए स्थिर रहती है। ब्याज की गणना सालाना होती है, लेकिन भुगतान मैच्योरिटी पर एक साथ किया जाता है।

एनएससी में निवेश करने का एक और प्रमुख फायदा यह है कि यह धारा 80सी के तहत टैक्स बचत का अवसर देता है। हर साल का ब्याज (अंतिम वर्ष को छोड़कर) भी टैक्स छूट के अंतर्गत आता है, जिससे निवेशक अपनी टैक्स प्लानिंग को बेहतर बना सकते हैं। इस योजना में हर साल मिलने वाला ब्याज फिर से निवेश माना जाता है, जिससे कंपाउंडिंग के आधार पर कुल रिटर्न बढ़ता है। एनएससी में सभी भारतीय नागरिक निवेश कर सकते हैं। हालांकि एनआरआई इसमें निवेश नहीं कर सकते। यदि कोई निवेशक निवेश के बाद एनआरआई बन जाता है, तो वह मैच्योरिटी तक सर्टिफिकेट अपने पास रख सकता है। वयस्क अपने नाम पर, अभिभावक नाबालिग या मानसिक रूप से असमर्थ व्यक्ति के नाम पर, और 10 वर्ष से अधिक उम्र के नाबालिग स्वयं भी निवेश कर सकते हैं। यदि कोई निवेशक 2,50,000 एकमुश्त निवेश करता है, तो 5 साल में कुल रिटर्न लगभग 1,16,062 रुपए होगा।

इस प्रकार मैच्योरिटी पर कुल राशि लगभग 3,66,062 रुपए हो जाती है।

आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन देने रेपो रेट में कटौती का निर्णय लिया

महंगाई दर नियंत्रित, आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने की संभावना

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल ही में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में कटौती का निर्णय लिया है।

समिति के एक सदस्य ने कहा कि महंगाई दर उम्मीद के अनुसार बनी हुई है और वर्तमान में कम स्तर पर है। अक्टूबर 2025 में समग्र महंगाई दर केवल 0.3 प्रतिशत थी, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित महंगाई दर 2 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि पिछले चरणबद्ध कटौती के असर से ऋण और जमा दरों में बदलाव महसूस किया गया है, और मौजूदा आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने के लिए 25 आधार अंक और कटौती की संभावना दिखाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च ट्रंप शुल्क के कारण कारोबार पर असर पड़ रहा है। ऐसे माहौल में नीतिगत कदम लेने से आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। समिति का यह निर्णय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और निवेश एवं व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है, जबकि महंगाई दर नियंत्रण में बनी हुई है।

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पेश किया 500 रुपए का कॉम्बो ऑफर

भक्तों को कम खर्च में व्यवस्थित और सुविधाजनक दर्शन मिलेंगे

जम्मू ।

नए साल 2026 की शुरुआत माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए विशेष सौगात के रूप में हुई है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुविधा और यात्रा को और अधिक यादगार बनाने के लिए एक बजट फ्रेंडली कॉम्बो ऑफर पेश किया है। यह पैक केवल 500 रुपए में उपलब्ध है और इसका उद्देश्य भक्तों को कम खर्च में व्यवस्थित और सुविधाजनक दर्शन का अनुभव देना है। श्राइन बोर्ड ने इस पैक में भक्तों की यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुविधाएं जोड़ी हैं। इसमें विशेष आरती के समय उचित प्रबंधन के साथ शामिल होने का अवसर, माता के दरबार से मिलने वाला पवित्र प्रसाद, और लंबी चढ़ाई के बाद आराम करने के लिए डॉरमेट्री या विश्राम गृह की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, यात्रियों के लिए पौष्टिक भोजन और जलपान की व्यवस्था भी इस पैक में शामिल है। नए साल के दौरान कटरा और मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। श्राइन बोर्ड का उद्देश्य भक्तों को अलग-अलग सुविधाओं के लिए लंबी लाइन में न खड़ा होना पड़े और सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर आसानी से मिल जाएं। इस सोच के तहत यह कदम उठाया गया है। भक्त माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर इस 500 रुपए वाले कॉम्बो की अग्रिम बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा कटरा में निहारिका परिसर और अन्य काउंटर पर भी इसकी जानकारी और बुकिंग उपलब्ध है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिग्गज ऑलराउंडर ने भारत की अगली कप्तान की भविष्यवाणी की, मंधाना की जगह इस पर दिखाया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ऐतिहासिक महिला विश्व कप 2025 जीत के बाद अब चर्चा का केंद्र टीम का भविष्य और नेतृत्व है। मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत कौर 36 वर्ष की हो चुकी हैं और उनके शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही उत्तराधिकारी की खोज तेज हो गई है। जहां स्मृति मंधाना को लंबे समय से अगला कप्तान माना जा रहा था, वहीं दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज ऑलराउंडर मैरिज़ेन कैप ने एक अलग नाम आगे बढ़ाकर बहस को नया मोड़ दे दिया है। उनका मानना है कि भारत को ऐसा लीडर चाहिए जो टीम को जोड़कर रख सके।

हरमनप्रीत कौर के बाद कौन? लीडरशिप पर नई बहस

विश्व कप जीत के बाद भारतीय महिला टीम स्थिरता और निरंतरता के दौर में है, लेकिन कप्तानी का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। हरमनप्रीत ने कई सालों तक टीम का नेतृत्व किया है, पर उम्र और भविष्य की योजना को देखते हुए बीसीसीआई को दीर्घकालिक विकल्प की ज़रूरत है। ऐसे में लीडरशिप सिर्फ रणनीति तक सीमित नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को साथ लेकर चलने की क्षमता भी अहम बन गई है।

मैरिज़ेन कैप का चौंकाने वाला समर्थन

5 जनवरी 2026 को दिए एक इंटरव्यू में मैरिज़ेन कैप ने जेमिमा रोड्रिग्स को भारत की अगली कप्तान के रूप में देखने की इच्छा जताई। कैप के अनुसार, जेमिमा में वर्षों से लीडरशिप के गुण दिखाई देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कप्तानी केवल फील्ड सेटिंग और फैसलों तक सीमित नहीं होती, बल्कि टीम के भीतर विश्वास और एकता बनाना भी उतना ही जरूरी है—और जेमिमा इसमें स्वाभाविक रूप से आगे हैं।

पर्सनैलिटी और परफॉर्मेंस का सही संतुलन

कैप ने ज़ोर देकर कहा कि जेमिमा की सबसे बड़ी ताकत उनकी पर्सनैलिटी है। वह खिलाड़ियों को जोड़ती हैं, माहौल को सकारात्मक रखती हैं और हर खिलाड़ी की परवाह करती हैं। हाल ही में विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ खेली गई उनकी नाबाद 127 रनों की पारी ने यह भी साबित किया कि वह बड़े मंच और दबाव को संभाल सकती हैं। 25 साल की उम्र में इस तरह की परिपक्वता उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार बनाती है।

WPL 2026: जेमिमा के लिए लीडरशिप की अग्निपरीक्षा

जेमिमा रोड्रिग्स को WPL 2026 सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी सौंपे जाने के साथ ही यह चर्चा और मजबूत हो गई है। वह अनुभवी मेग लैनिंग की जगह ले रही हैं, जो अब क्वॉरियर्ज का नेतृत्व करेंगी। इस बदलाव को भारतीय क्रिकेट में एक रणनीतिक प्रयोग के

तौर पर देखा जा रहा है, जहां जेमिमा की कप्तानी को हाई-प्रेशर लीग में परखा जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स और भविष्य की राह

दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर पार्थ जिंदल ने जेमिमा पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम की पहली पिक से कप्तान बनने तक का उनका सफ़र प्रेरणादायक है। जब DC 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी, तो सभी की निगाहें जेमिमा पर होंगी। अगर वह टीम को पहला WPL खिताब दिलाने में सफल रहती हैं, तो भारत की अगली महिला कप्तान के रूप में उनका दावा और भी मजबूत हो जाएगा।

ह्यूबर्ट हुरकाज ने यूनाइटेड कप में ज्वेरेव को हराया, चोट के बाद दमदार वापसी

सिडनी (एजेंसी)। पोलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी ह्यूबर्ट हरकाज ने चोट से उबरने के बाद शानदार वापसी करते हुए यूनाइटेड कप में बड़ा उलटफेर किया है। करीब सात महीने बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटे हरकाज ने सोमवार को विश्व नंबर तीन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सीधे सेटों में हराकर अपने इरादे साफ कर दिए।

यह मुकाबला सिडनी में खेला गया, जहां हरकाज ने जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी ज्वेरेव को 6-3, 6-4 से मात दी। पूरे मैच के दौरान हरकाज ने दमदार सर्विस, सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि उन्होंने दबाव के क्षणों में भी संयम बनाए रखा और ज्वेरेव को लय में आने का मौका नहीं दिया।

चोट के बाद मानसिक और शारीरिक परीक्षा

मैच के बाद हरकाज ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, 'काफी समय हो गया था जब मैंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। लगभग सात महीने तक मैं कोर्ट से दूर रहा। यह दौर मेरे लिए और टीम के लिए काफी मुश्किल था, लेकिन सभी ने मेरा पूरा समर्थन किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम लंबे समय तक यह भी नहीं जानते थे कि मैं दोबारा कब कोर्ट पर लौट पाऊंगा। आज मैं बस हर पल का आनंद लेने की कोशिश कर रहा था।'

आत्मविश्वास की वापसी का संकेत

हरकाज की यह जीत न केवल पोलैंड के लिए यूनाइटेड कप में अहम साबित हुई, बल्कि यह भी दिखाती है कि चोट के बाद वह धीरे-धीरे अपनी पुरानी लय और आत्मविश्वास हासिल कर रहे हैं। ज्वेरेव जैसे शीर्ष खिलाड़ी को हराना आने वाले बड़े टूर्नामेंटों से पहले हरकाज के लिए मनोबल बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

यूनाइटेड कप जैसे मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इस तरह की जीत से पोलैंड की टीम को भी मजबूती मिली है और हरकाज ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तरह फिट होकर फिर से शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : वापसी की चर्चा के बीच विराट कोहली दिल्ली के लिए नहीं खेलेंगे अगला मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली रेलवे के खिलाफ होने वाला विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का मैच नहीं खेलेंगे। दोनों राज्य एसोसिएशन BCCI के प्रमुख 50 ओवर के टूर्नामेंट के पांचवें राउंड में 6 जनवरी को आमने-सामने होने वाले थे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विराट KSCA क्रिकेट ग्राउंड पर रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच के लिए सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में विराट की गैरमौजूदगी का कारण नहीं बताया गया है।

खास बात यह है कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दिल्ली के लिए पहले दो मैच खेले और एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। हालांकि वह अपने परिवार के पास लौट गए और पिछले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं खेले। 37 साल के यह खिलाड़ी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने से पहले एक और VHT मैच खेलने वाले थे। हालांकि अब यह भारतीय स्टार 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में सीधे न्यूजीलैंड के खिलाफ एक्शन में दिखेंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले बोर्ड ने भारत के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को निर्देश दिया था कि अगर उन्हें वनडे के लिए टीम में बने रहना है तो उन्हें कम से कम दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलने होंगे। इसलिए रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या और सभी बड़े खिलाड़ियों ने इस दिसंबर विंडो में अपने राज्य एसोसिएशन की जर्सी पहनी।

दिल्ली के लिए विराट कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने सबसे पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच खेला और शानदार 131 (101) रन बनाए जिसमें 14 चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसके बाद उन्होंने गुजरात का सामना किया और 77 (61) रन बनाए। अगर विराट अब आने वाला विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं भी खेलते हैं, तो BCCI की तरफ से कोई दबाव नहीं होगा, क्योंकि उन्होंने पहले ही उनकी बात मान ली है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की दहाड़, सिर्फ 24 गेंदों में ठोके 68 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के दूसरे मैच में उसी टीम का सामना किया। दोनों टीमें 5 जनवरी को बेनोनी के विलोमूर पार्क में आमने-सामने थीं। मैच की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाजी करने से हुई। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 245 रन बनाए और जैसे ही रन चेज़ शुरू हुआ, भारतीय कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस युवा खिलाड़ी ने भारतीय टीम के लिए पारी की शुरुआत की और विरोधी टीम के बल्लेबाजों की जमकर धुनाई की।

सूर्यवंशी ने मात्र 24 गेंदों में 68 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और एक चौका शामिल था। उनकी तेज शुरुआत ने भारतीय अंडर-19 टीम को मैच में वह शानदार शुरुआत दिलाई जिसकी उन्हें जरूरत थी।

उन्होंने आरोन जॉर्ज के साथ पारी की शुरुआत की, जो रन चेज़ के शुरुआती चरण में ही 20 रन बनाकर आउट हो गए। मैच की बात करें तो, दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 ने पहले बल्लेबाजी की। जोरिच वैन शाल्कविक और अदनान लगडियन ने क्रमशः 10 और 25 रन बनाकर पारी की शुरुआत की। कप्तान मोहम्मद बुलबुलिया भी मात्र 14 रन बनाकर आउट हो गए।

जेसन रोल्स की शानदार पारी ने दक्षिण अफ्रीका को अपनी पारी को संभालने में मदद की। इस स्टार बल्लेबाज ने 113 गेंदों में 114 रन बनाए, जबकि डेनियल बोसमैन ने 63 गेंदों में 31 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 245 रनों पर सिमट गई, और इसका श्रेय किशन सिंह की गेंदबाजी को जाता है। पहली पारी में 8.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए किशन सिंह ने चार विकेट लिए और 46 रन दिए। इसके अलावा, आरएस अंबरीश ने दो विकेट लिए, वहीं दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

शार्दुल और सरफराज के चोटिल होने से मुम्बई की मुश्किलें बढ़ीं,मंगलवार को हिमाचल के खिलाफ मैच में इन दोनो के बिना ही उतरना होगा

मुम्बई । कप्तान शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाज सरफराज खान के चोटिल होने की विजय हजारे ट्रॉफी खेल रही मुंबई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। मुंबई की टीम ने ग्रुप सी में अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। मुम्बई ने अपने 5 मैचों में से 4 जीते है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे अभी दो लीग चरण के मैच खेलने हैं। ऐसे में अब नॉकआउट मैचों में प्रवेश के लिए मुंबई को कम से कम एक मुकाबला जीतना होगा और नेट रन रेट को भी बेहतर बनाये रखना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार शार्दुल ठाकुर पूरे टूर्नामेंट से भी बाहर हो सकते हैं। जयपुर में महाराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह पूरे ओवर भी नहीं फेंक पाये थे। मुंबई की टीम को अपना अगला मैच 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश से खेलना है। शार्दुल अगर अगले मैचों के लिए बाहर हुए तो ये मुंबई के लिए करारा झटका होगा। उनके अलावा बल्लेबाज सरफराज का खेलना भी मुश्किल है। ऐसे में दो अनुभवी खिलाड़ियों की कमी पूरी करना मुम्बई के लिए कठिन होगा। राहत की बात है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर टीम से जुड़ रहे हैं।

गिल के टीम से बाहर होने पर हैरान रिकी पोंटिंग... लेकिन भारतीय क्रिकेट की इस बात से खुश

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्डकप 2026 के लिए भारत की टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं मिली, जो सितंबर 2025 में एशिया कप से पहले टी20 टीम के आधिकारिक तौर पर उपकप्तान थे। खराब फॉर्म की वजह से चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से बाहर रखा है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग चयनकर्ताओं के फैसले से हैरान हैं। हालांकि, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की तारीफ की। उनका कहना है कि जब आप गिल जैसे खिलाड़ी को बाहर करते हैं, तब पता चलता है कि आपके पास टैलेंट की कमी नहीं है। आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने गिल को ड्रॉप करने को लेकर कहा, ‘मुझे यकीन नहीं हुआ। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका हालिया फॉर्म बहुत अच्छा नहीं रहा है। लेकिन पिछली बार जब मैंने उन्हें सच में अच्छा खेलते देखा था, तब वह यूके में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज थी, जहां उन्होंने इतनी अच्छी बैटिंग की जितनी मैंने कभी किसी को करते नहीं देखा। मुझे लगता है, पहली बात यह कि मैं हैरान हूं, लेकिन दूसरी बात यह कि, यह इंडियन क्रिकेट की डेप्थ को दिखाता है। उन्होंने कहा, अगर आप सोच सकते हैं कि गिल जैसे अच्छे खिलाड़ी को वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया, तब इससे पता चलता है कि भारत के पास कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर गिल को लेकर कहा था, ‘हम जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है, लेकिन शायद इस समय वह थोड़े रन नहीं बना पाया है। पिछले वर्ल्ड कप में भी बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे, लेकिन यह किसी भी चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की बात है।जब आप 15 खिलाड़ी चुनते हैं तब किसी को बाहर रहना ही पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय गिल हैं। हम कॉम्बिनेशन देख रहे हैं।

बांग्लादेश के टी20 विश्वकप मैचों को कोलंबो स्थानांतरित कर सकता है आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह शुरु हो रहे टी20 विश्वकप में बांग्लादेश के सभी मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर सकता है। इसका कारण है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से वह अपनी टीम भारत नहीं भेजे सकता है। इसी को देखते हुए बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने ग्रुप स्तर के मैचों को दूसरे स्थलों पर अन्य देश में कराने को कहा है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान हालातों को देखते हुए आईसीसी इस अनुरोध पर विचार कर रही है और माना जा रहा है कि इस मैच में शीघ्र ही कोई फैसला आ सकता है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर कर दिया। बीसीसीआई के इस फैसले के बाद बीसीबी ने कहा था कि ये कदम सुरक्षा कारणों से भारतीय बोर्ड ने उठाया है। ऐसे में हमारी टीम की सुरक्षा भी वहां खतरे में पड़ जाएगी। इसलिए टीम को भारत नहीं भेजा जा सकता है। तय कार्यक्रम के अनुसार विश्कप के मैच 7 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक भारत और श्रीलंका में खेले जाने हैं। वर्तमान कार्यक्रम के तहत बांग्लादेश को अपने चार ग्रुप मैचों में से तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने हैं, जबकि एक मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलना है। अब ये सभी मैच सहमेजबान श्रीलंका को स्थानांतरित किये जा सकते हैं। अगर आईसीसी बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में आयोजित करता है तो श्रीलंका में मैचों के कार्यक्रम में बदलाव करना होगा। इसके अलावा टीमों के रहने और अन्य सुविधाओं की भी व्यवस्था करना होगा।

हॉकी लीग के जरिये फिर खुद को साबित करना चाहते हैं 'पोस्टर ब्वॉय' रहे हरजीत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिये ही नही, ख्रुद उनके लिये भी हैरानी का सबब रहा। हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने भाषा से खास बातचीत में कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।'

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी। हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा

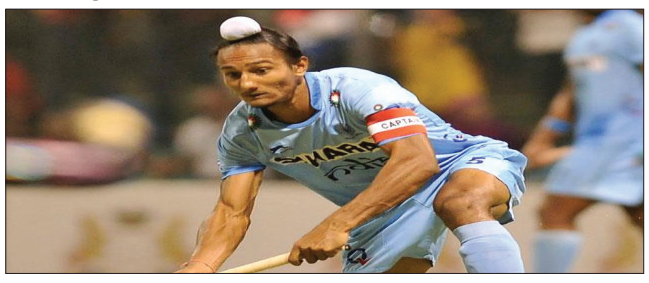

थे।

जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे। हरजीत ने कहा, 'मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है।' 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत के लिए करीब 50 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैने कइयों से पूछा लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया।' उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था।मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली।'

उनकी तुलना अक्सर जूनियर विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान उन्मुक्त चंद से की जाती है जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर टीम के साथ दोहरा नहीं सके और अचानक परिदृश्य से गायब हो गए। भारत पेट्रोलियम के लिए विभागीय हॉकी खेलने के अलावा हरजीत ने नीदरलैंड में डच लीग में एचजीसी और ब्रिटेन में इंडियन जिमखाना के लिए खेला। पंजाब के मोहाली के कुराली गांव से निकले इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं काफी समय इन चीजों से बाहर नहीं निकल सका। पिंड गया तो वहां भी सभी पूछते थे कि वापिस कब खेलेगा तो मेरा वहां भी रहने का मन नहीं करता था। धीरे धीरे मैने विभागीय हॉकी और दूसरे देशों में लीग खेलनी शुरू की।'

उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था मानो सभी के पास मेरे लिये एक ही सवाल था कि मैं कब दोबारा भारत के लिये खेलूंगा। मैं अपनी ओर से पॉजीटिव रहने की पूरी कोशिश करता था। खेलों की बायोपिक देखकर प्रेरणा लेता था।' हॉकी इंडिया लीग में हरमनप्रीत की कप्तानी वाली जेएसडब्ल्यू सूरमा टीम के लिये खेल रहे हरजीत ने कहा, 'मैं दिल से सूरमा (योद्धा) हूं और टीम का काफी सहयोग मिला है चूंकि इसमें जूनियर सीनियर का कोई भेद नहीं है।%

उन्होंने कहा, 'जूनियर विश्व कप के साथी हरमनप्रीत, आकाशदीप, गुरजंत, विवेक सागर प्रसाद टीम में हैं जो अच्छी बात है। हरमनप्रीत टीम को साथ में लेकर चलता है और ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी अच्छा रहता है।' हॉकी किट और अच्छी खुराक के लालच में खेलना शुरू करने वाले हरजीत 2007 में जालंधर की सुरजीत अकादमी चले गए और 2011 में भारतीय टीम के शिविर में चयन हुआ था।

सविता पूनिया की नजरें एशियाई खेल स्वर्ण के जरिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन पर

नई दिल्ली । भारत की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की नजरें खेल को अलविदा कहने से पहले इस साल एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करने पर लगी हैं। सविता ने कहा कि वह फिलहाल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से आगे नहीं सोच रही हैं। राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता और तीन बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुकी सविता ने कहा, 'मुझे लगने लगा है कि अब परिवार के साथ और समय बिताना है। सभी को कभी न कभी रिटायर होना है लेकिन मैं अच्छे समय पर यह फैसला लेना चाहती हूं। एशियाई खेल हो या 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक।' उन्होंने कहा, 'अभी ओलंपिक में समय है तो मैं कुछ कह नहीं सकती। मेरा फोकस एशियाई खेलों पर है और उससे आगे के बारे में नहीं सोच रही। मैं एशियाई खेलों के बाद संन्यास का फैसला लूंगी। अगर हम वहीं से ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करते हैं तो बहुत अच्छा होगा ताकि क्वालीफायर का दबाव नहीं झेलना पड़े।' हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिये खेल रही सविता ने कहा कि वह एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगी। उन्होंने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। मैं हमेशा लक्ष्य लेकर चलती हूं और एक समय में एक ही लक्ष्य जेहन में होता है। हमारी टीम काफी सक्षम है और मैं सीनियर खिलाड़ी होने के नाते हमेशा खिलाड़ियों का मनोबल बढाने के लिये हूं।' सविता ने कहा, 'विश्व कप क्वालीफायर भी काफी अहम है और उसके बाद नेशंस कप भी है। यह पूरा साल काफी अहम होने वाला है।'

मलेशिया ओपन: लक्ष्य सेन के साथ इन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

कुआलालंपुर (एजेंसी)। नए सत्र की शुरुआत के साथ ही भारतीय बैडमिंटन की निगाहें मलेशिया ओपन सुपर 1000 पर टिक गई हैं, जहां लक्ष्य सेन के साथ पी.वी. सिंधू, सात्विक-चिराग और कई युवा खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। 14.5 लाख डॉलर इनामी इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय शटलर्स न सिर्फ 2025 की निराशाओं को पीछे छोड़ना चाहेंगे, बल्कि दमदार प्रदर्शन के जरिए नए साल का सकारात्मक आगाज करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे।

पिछले साल की निराशा, अब नए साल से उम्मीदें

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए 2025 का साल खास नहीं रहा, जहां कई शीर्ष खिलाड़ी चोटों और खराब फॉर्म से जूझते नजर आए। ऐसे में मलेशिया ओपन को खिलाड़ी न सिर्फ वापसी का मंच मान रहे हैं, बल्कि अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 की तैयारी के लिहाज से भी इसे अहम मान रहे हैं।

लय में लौटे लक्ष्य सेन

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान के बाद खराब दौर से गुजर रहे विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 जीतकर लय हासिल की है। 24 वर्षीय अल्मोड़ा के खिलाड़ी हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे। लक्ष्य पहले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ उसी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

आयुष शेट्टी के सामने बड़ी चुनौती

यूएस ओपन सुपर 300 चैंपियन युवा आयुष शेट्टी का पहले दौर में सामना पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के ली जी जिया से होगा, जो उनके लिए कड़ी परीक्षा साबित हो सकती है।

चोट से वापसी कर रहीं पी.वी. सिंधू

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधू के लिए पिछला साल निराशाजनक रहा। पैर की चोट के कारण वह अक्टूबर के बाद से कोर्ट से दूर थीं। सिंधू पहले दौर में चीनी ताइपै की सुंग शुओ युन से भिड़ेंगी।

युवा और वापसी कर रहे खिलाड़ियों पर नजर

दूसरी बार ओडिशा ओपन खिताब जीतने वाली उन्नति हुड्डा का सामना पहले दौर में टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और चौथी वरीयता प्राप्त चीन की चेन यू फेई से होगा। वहीं, बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद वापसी कर रहीं मालविका बंसोड की टक्कर पूर्व विश्व चैंपियन थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन से होगी।

सात्विक-चिराग से बड़ी उम्मीदें

तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पिछले साल हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी और विश्व चैंपियनशिप में दूसरी बार कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेल चैंपियन यह जोड़ी पहले दौर में चीनी ताइपै के ली ज़े हुइ और यांग पो सुआन से

भिड़ेगी। भारत की ही जोड़ी एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्साकरूनन का सामना जापान के हिरोकी मिदोरिकावा और के. यामाशिता से होगा।

महिला युगल में भी चुनौतीपूर्ण शुरुआत

महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी पहले दौर में इंडोनेशिया की फेब्रियाना डी कुसुमा और मेलिसा त्रियास पुष्पितासारी से मुकाबला करेगी। नए साल की इस पहली बड़ी परीक्षा में भारतीय खिलाड़ियों से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद होगी, ताकि आने वाले टूर्नामेंटों के लिए आत्मविश्वास हासिल किया जा सके।

ब्रिटेन की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राडुकानू ने ओसाका के खिलाफ यूनाइटेड कप मुकाबले से वापस लिया नाम

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। ग्रेट ब्रिटेन की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानू ने यूनाइटेड कप में नाओमी ओसाका के खिलाफ अपने मैच से नाम वापस ले लिया। राडुकानू की गैरमौजूदगी में ग्रेट ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया में जापान के खिलाफ 2-1 से ग्रुप-स्टेज जीत के साथ अपने यूनाइटेड कप अभियान की शुरुआत की। ब्रिटिश नंबर वन खिलाड़ी ने अक्टूबर से कोई मैच नहीं खेला है और दिसंबर में पैर में मामूली चोट के कारण अमेरिका में दो प्रदर्शनी मैचों से नाम वापस ले लिया था। ग्रेट ब्रिटेन की टीम के कप्तान टिम हेनमैन ने मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टर नाइन से कहा, 'मुझे ईमानदार होना होगा, वह बहुत करीब थी। यह आसान फैसला नहीं था। वह तैयारी कर रही थी और बहुत अच्छी तरह से अभ्यास कर रही थी। लेकिन हमें आज सुबह लगा कि यह थोड़ा जल्दी है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

उत्तरी कैलिफोर्निया में भारी बारिश और ऊंची ज्वार से बाढ़, सड़कें बंद

कैलिफोर्निया, एजेंसी। उत्तरी कैलिफोर्निया में शनिवार को भारी बारिश और बेहद ऊंची ज्वार (किंग टाइड्स) के कारण कई इलाकों में बाढ़ आ गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह स्थिति पिछले करीब 20 वर्षों में सबसे गंभीर मानी जा रही है। बाढ़ की वजह से कई सड़कें बंद करनी पड़ीं और पानी में फंसी गाड़ियों से लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मैरिन काउंटी के शेरिफ कार्यालय के अनुसार, सॉसलिटो से सैन राफेल तक करीब 24 किलोमीटर लंबे इलाके में सड़कें पानी से भर गईं। कई जगहों पर पानी की ऊंचाई तीन से चार फीट तक पहुंच गई, जिससे गाड़ियां बीच रास्ते में फंस गईं। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। प्रभावित इलाके मैरिन काउंटी में प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जब तक पानी कम न हो जाए, घरों में ही रहें। कुछ लोग सामान्य तौर पर सड़क रहने वाले इलाकों में कयाक चलाते नजर आए, जबकि कई लोग घुटनों तक पानी में चलकर बाहर निकले। सैन फ्रांसिस्को क्षेत्र के लिए शनिवार दोपहर तक बाढ़ की चेतावनी और रविवार दोपहर तक बाढ़ की सलाह जारी की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि किंग टाइड्स तब आती हैं जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीध में होते हैं और चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होता है, जिससे समुद्र का जलस्तर असामान्य रूप से बढ़ जाता है।

14 साल बाद आयरलैंड के पीएम माइकल मार्टिन की चीन यात्रा

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन रविवार से चीन की पांच दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। पिछले 14 वर्षों में किसी आयरिश नेता की यह पहली चीन यात्रा है। चीनी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि मार्टिन बीजिंग के अलावा शंघाई भी जाएंगे। वे चीनी प्रमुख ली कियांग के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब यूरोपीय संघ और चीन के बीच डेयरी उत्पादों और इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैरिफ को लेकर तनाव बना हुआ है।

यमन से अपने सैनिक वापस बुलाएगा यूएई

अबू धाबी, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से जारी तनाव के बीच यूएई ने यमन से अपनी सेना वापस बुलाने का फैसला किया है। यूएई ने कहा, वह यमन में चल रहे अपने आतंक-रोधी अभियान को खत्म कर रहा है। यह फैसला ऐसे समय किया गया है जब सऊदी अरब ने यूएई पर यमन के अलगाववादी गुट एसटीसी को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। इससे पहले यमन की विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने यूएई से कहा था कि वह 24 घंटे में अपनी सेना यमन से हटा ले। यमन की इस मांग को सऊदी अरब का भी समर्थन मिला। इसके कुछ ही समय बाद ही यूएई ने अपनी सेना वापस बुलाने की घोषणा कर दी। सऊदी अरब नेतृत्व वाले गठबंधन ने कल यमन के मुकल्ला पोर्ट पर हमला किया था। सऊदी का कहना था कि मुकल्ला पोर्ट पर जो जहाज पहुंचा था, उसमें यूएई से हथियार भेजे गए थे।

मादुरो की तरह पुतिन का भी हो हाल? :जेलेंस्की

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की ओर से नाटकीय ढंग से पकड़े जाने के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वाशिंगटन अब तानाशाहों से निपटने के लिए आगे क्या करना है यह जानता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जेलेंस्की से मादुरो की गिरफ्तारी पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा मैं क्या कह सकता हूं? अगर तानाशाहों के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो अमेरिका जानता है कि अगला कदम क्या होना चाहिए। उनका यह बयान साफ तौर पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर संकेत माना जा रहा है। इस बीच रूस ने अमेरिका से मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को रिहा करने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मादुरो वेनेजुएला के वैध रूप से चुने गए राष्ट्रपति हैं और अमेरिका को उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए। रूस ने यह भी जोर दिया कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवादों का समाधान बातचीत के जरिए होना चाहिए।

स्विस बार अग्निकांड : 48 घंटे बाद भी 6 घायलों की पहचान नहीं

बर्न, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के आल्प्स स्थित स्की रिसॉर्ट में नए साल के जश्न के दौरान ले कॉन्स्टेलेशन बार में लगी भीषण आग में 40 लोगों की मौत के 48 घंटे बाद भी 6 घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। लापता लोगों के परिजनों की उम्मीदें अब इन्हीं पर टिकी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक, 119 घायलों में से 113 की पहचान हो चुकी है। भीषण रूप से जलने के कारण शवों और घायलों की पहचान मुश्किल हो गई है।

कौन हैं वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति? मादुरो की करीबी डेल्सी रोड्रिग्ज को मिली जिम्मेदारी

कारकास , एजेंसी। अमेरिकी सेना द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला में मचे भारी राजनीतिक घमासान के बीच देश के सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को देश की कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने का आदेश दिया है। अदालत का कहना है कि यह निर्णय देश की संप्रभुता और प्रशासनिक निरंतरता को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

कौन हैं डेल्सी रोड्रिग्ज : 56 साल की डेल्सी रोड्रिग्ज वेनेजुएला की राजनीति का एक कद्दावर और अनुभवी चेहरा हैं। वे एक क्रांतिकारी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता, जॉर्ज एंटोनियो रोड्रिग्ज एक वामपंथी गुरिल्ला नेता थे। कानून की पढ़ाई करने वाली डेल्सी पिछले एक दशक में मादुरो सरकार की सबसे भरोसेमंद सहयोगी बनकर उभरी हैं। वह मादुरो सरकार की सशक्त समर्थक रही हैं। मादुरो ने अपनी सरकार का समर्थन करने के लिए डेल्सी को 'शेरनी' तक कहा था।

डेल्सी रोड्रिग्ज का राजनीतिक सफर : उन्होंने 2013 से 2017 के बीच सूचना और विदेश मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। जून 2018 में मादुरो ने उन्हें देश का उपराष्ट्रपति नियुक्त किया। मादुरो अक्सर उन्हें 'हजारों लड़ाइयों में परखी हुई एक बहादुर क्रांतिकारी' कहते रहे हैं। अगस्त 2024 में उन्हें तेल मंत्री का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया था ताकि वे अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ देश की अर्थव्यवस्था को संभाल सकें।

मादुरो को बताया देश का इकलौता राष्ट्रपति : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक ऑडियो संदेश में डेल्सी रोड्रिग्ज ने सख्त तेवर दिखाए। उन्होंने अमेरिकी हिरासत में मौजूद निकोलस मादुरो को ही देश का एकमात्र वैध राष्ट्रपति बताया और अमेरिका से उनके जिंदा होने के सबूत मांगे। उन्होंने कहा, 'इस देश का केवल एक ही राष्ट्रपति है और उनका नाम निकोलस मादुरो मोरोस है।

ट्रंप के दावे और विरोधाभास : डेल्सी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के ठीक उलट है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि रोड्रिग्ज ने राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली है और वे वाशिंगटन के साथ सहयोग करने को तैयार हैं। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया था कि अमेरिका फिलहाल वेनेजुएला का शासन चलाने की तैयारी में है। हालांकि, डेल्सी रोड्रिग्ज ने इन दावों को खारिज करते हुए इसे संप्रभुता पर हमला करार दिया है। फिलहाल कराकस से आ रही तस्वीरों में डेल्सी रोड्रिग्ज को देश के भीतर ही सक्रिय देखा गया है, जिसने उन अफवाहों पर विराम लगा दिया है जिनमें उनके रूस जाने की बात कही जा रही थी।

वेनेजुएला की नई कार्यवाहक राष्ट्रपति : डेल्सी रोड्रिग्ज (56) का जन्म 18 मई 1969 को वेनेजुएला की राजधानी कराकास में हुआ था। वह वामपंथी नेता और पूर्व गुरिल्ला जॉर्ज एंटोनियो रोड्रिगेज की बेटी हैं, जिन्होंने 1970 के दशक में क्रांतिकारी संगठन लीगा सोशलिस्टा की नींव रखी थी। डेल्सी रोड्रिग्ज को निकोलस मादुरो की सबसे भरोसेमंद नेताओं में गिना जाता है। वह अपने भाई जॉर्ज रोड्रिगेज, जो वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के प्रमुख हैं के साथ मिलकर लंबे समय से सरकार की अहम नीतियों पर काम करती रही हैं। डेल्सी रोड्रिग्ज ने अपने राजनीतिक करियर में सरकार के कई अहम पदों पर काम किया है। वर्ष 2013 से 2014 तक वह संचार और सूचना मंत्री रहीं, इसके बाद 2014 से 2017 तक उन्होंने विदेश मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। साल 2017 में उन्हें सरकार समर्थक संविधान सभा का प्रमुख बनाया गया, जिसने मादुरो सरकार की नीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जून 2018 में डेल्सी रोड्रिग्ज को वेनेजुएला का उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया। वहीं अगस्त 2024 में उन्हें तेल मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने अमेरिका के बढ़ते प्रतिबंधों के बीच देश के सबसे अहम उद्योग को संभालने और उसे स्थिर रखने की कोशिश की।

पेशे से वकील डेल्सी रोड्रिग्ज ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ वेनेजुएला से पढ़ाई की है। अपने स्टाइल और डिजाइनर फैशन के शौक के लिए भी वह जानी जाती हैं। पिछले एक दशक में उन्होंने तेजी से राजनीतिक ऊंचाइयां हासिल कीं और आज वेनेजुएला की सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं। मौजूदा राजनीतिक संकट के बीच उन्होंने एक ऑडियो संदेश जारी कर अमेरिका से निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के सुरक्षित होने का सबूत देने की मांग भी की थी।

उत्तर कोरिया ने जापान के इलाके में बैलिस्टिक मिसाइल दागीं, टोक्यो ने इमरजेंसी अलर्ट जारी किया

टोक्यो, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने रविवार को जापान के इलाके में बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। जापान के पीएम ऑफिस ने इसे लेकर एक इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। स्थानीय समाचार संगठन द जापान टाइम्स ने रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बयान के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने कम से कम दो मिसाइलें दागी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये दोनों मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरीं। जापान का यह विशेष आर्थिक क्षेत्र उसके तट से 200 नॉटिकल मील यानी करीब 370 किलोमीटर तक फैला हुआ है और मिसाइलें जापान सागर में गिरीं। इसी रिपोर्ट में रक्षा मंत्री कोइजुमी के हवाले से आगे कहा गया, 'उत्तर कोरिया की बार-बार की जा रही बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च जैसी कार्रवाइयां हमारे क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' अधिकारी ने यह भी दावा किया कि मिसाइलों ने करीब 950 किलोमीटर की दूरी तय की। इसका मतलब यह है कि दक्षिणी जापान का बड़ा हिस्सा इनकी मारक दूरी में आ जाता है, जिसमें अमेरिका और जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज के अहम सैन्य अड्डे भी शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया की सेना की पुष्टि : दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बयान जारी कर कहा, 'उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर एक अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है.' फिलहाल मिसाइल की रेंज और प्रकार को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है.

जापान ने भी दी जानकारी : जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी उत्तर कोरिया द्वारा संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने की पुष्टि की है. हालांकि, अभी तक किसी तरह के नुकसान या आपात स्थिति की कोई सूचना नहीं दी गई है.

हथियार उत्पादन बढ़ाने के निर्देश : इस मिसाइल परीक्षण से पहले उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक हथियार निर्माण फैक्ट्री का दौरा किया था. सरकारी मीडिया के अनुसार, किम ने सामरिक निर्देशित हथियारों के उत्पादन को मौजूदा स्तर से दोगुना से भी अधिक बढ़ाने का आह्वान किया है.हाल के हफ्तों में किम जोंग उन लगातार हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों का दौरा कर रहे हैं. इसके अलावा उन्होंने एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी का निरीक्षण भी किया।

गिरफ्तारी से पहले मादुरो ने इंटरव्यू में ट्रंप के साथ तेल व्यापार और ड्रग तस्करी पर चर्चा करने की इच्छा जताई थी

कारकास , एजेंसी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी सेना की ओर से गिरफ्तार किए जाने से महज 48 घंटे पहले इंटरव्यू दिया था। इसमें उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तेल व्यापार और ड्रग तस्करी पर चर्चा करने की इच्छा जताई थी। मैक्सिकन अखबार ला जोर्नाडा में प्रकाशित और नए साल के दिन वेनेजुएला के सरकारी टीवी पर प्रसारित इंटरव्यू में उन्होंने कई अहम बयान दिए। मादुरो ने कहा कि दोनों देशों को तथ्यों के आधार पर गंभीर बातचीत शुरू करनी चाहिए। उन्होंने खुलासा किया कि ट्रंप ने 21 नवंबर को व्हाइट हाउस से उन्हें फोन किया था और दोनों के बीच 10 मिनट की सम्मानजनक बातचीत हुई थी। यह साक्षात्कार अब इसलिए सुर्खियों में है क्योंकि शनिवार को अमेरिकी सेना रात की कार्रवाई में मादुरो को कारकास से गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले गई। निकोलस मादुरो ने इंटरव्यू में अमेरिका को बातचीत का प्रस्ताव देते हुए कहा, 'अगर वे ड्रग तस्करी के खिलाफ समझौता चाहते हैं तो वेनेजुएला तैयार है।' साथ ही, उन्होंने तेल के लिए अमेरिकी निवेश को स्वीकार करने की बात कही, जैसे शेवरॉन कंपनी के साथ पहले हो चुका है। उन्होंने इसे लेकर कहा कि जब चाहें, जहां चाहें और जैसे चाहें। मादुरो ने अमेरिकी दबाव को वेनेजुएला के विशाल प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर तेल, सोना और दुर्लभ खनिजों पर कब्जा करने की कोशिश बताया। ड्रग तस्करी के अमेरिकी आरोपों को खारिज करते हुए मादुरो ने कहा कि कोकेन की तस्करी पड़ोसी कोलंबिया से होती है और वेनेजुएला का मॉडल इससे लड़ने में सबसे प्रभावी है। निकोलस मादुरो यह इंटरव्यू अमेरिकी हमलों के बीच आया था, जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने ड्रग लोडिंग डॉक पर हमले का दावा किया। मादुरो ने इसे सीधे स्वीकार नहीं किया, लेकिन कहा कि उनकी रक्षा व्यवस्था देश की अखंडता और शांति सुनिश्चित कर रही है। गिरफ्तारी के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका फिलहाल वेनेजुएला को संभालेगा, जबकि मादुरो पर नार्को-टेररिज्म के आरोपों में मुकदमा चलेगा। इस घटना से लैटिन अमेरिका में तनाव बढ़ सकता है।

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई पर संयुक्त राष्ट्र की सख्त चेतावनी, गुटेरेस बोले- बन सकती है खतरनाक मिसाल

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के तरफ से वेनेजुएला पर की गई कार्रवाई को लेकर वैश्विक राजनीति में हलचल तेज है। इसी बीच अब संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने अमेरिका के इस सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए एक खतरनाक मिसाल बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया कि महासचिव वेनेजुएला में हालिया घटनाओं से बेहद चिंतित और परेशान हैं। बयान में कहा गया कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई से न सिर्फ वेनेजुएला, बल्कि पूरे क्षेत्र में हालात बिगड़ सकते हैं।

इस दौरान गुटेरेस ने साफ कहा कि वेनेजुएला की स्थिति चाहे जैसी भी हो, किसी देश में इस तरह की सैन्य दखल अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने चिंता जताई कि इस पूरे घटनाक्रम में संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान नहीं किया गया।

यूएन महासचिव की अपील : महासचिव ने सभी पक्षों से अपील की कि वेनेजुएला में बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाए, जिसमें सभी को शामिल किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस सभी प्रक्रियाओं में मानवाधिकारों और कानून के शासन का पूरी तरह पालन होना चाहिए।

मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने भी जताई चिंता : वहीं, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने भी अमेरिका की कार्रवाई पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सभी देशों को संयम बरतना चाहिए और ह चार्टर व अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का सम्मान करना चाहिए।

वोल्कर तुर्क ने कहा कि वेनेजुएला के आम लोगों की सुरक्षा सबसे अहम है और आगे होने वाली किसी भी कार्रवाई में लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस बयान के बाद साफ है कि वेनेजुएला में अमेरिकी दखल को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं और संयुक्त राष्ट्र इस पूरे मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

वेनेजुएला पर अमेरिका की कार्रवाई : गौरतलब है कई महीनों से अमेरिका और वेनेजुएला के बीच जारी तनाव ने एक बड़ा रूप तब ले लिया, जब वेनेजुएला की राजधानी कारकास शुक्रवार देर रात (स्थानीय समयानुसार) अमेरिकी हमलों से दहल उठी। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को बंधक बना लिया। इसके बाद ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि वेनेजुएला पर अब अमेरिका का नियंत्रण होगा, जब तक वहां शांति स्थापित नहीं हो जाती।

मादुरो की गिरफ्तारी पर न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी बोले- यह युद्ध की कार्रवाई और कानून का उल्लंघन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान मामदानी ने युद्ध की कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। मामदानी ने कहा कि यह कदम संघीय और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और इससे न्यूयॉर्क में रहने वाले हजारों वेनेजुएलाइयों पर असर पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में मामदानी ने लिखा, 'अमेरिकी सेना की ओर से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी मिली। साथ ही, उन्हें

न्यूयॉर्क शहर में संघीय हिरासत में रखने का प्लान है। एक संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला युद्ध की कार्रवाई है और संघीय व अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। जोहरान मामदानी ने कहा कि यह शासन परिवर्तन की कोशिश न केवल विदेशों में प्रभाव डालती है, बल्कि न्यूयॉर्क में रहने वाले हजारों वेनेजुएलाइयों सहित सभी न्यूयॉर्कवासियों की सुरक्षा पर सीधा असर डालती है। उनका प्रशासन स्थिति पर नजर रखेगा और जरूरी दिशानिर्देश जारी करेगा।' वेनेजुएला की राजधानी कारकास में खुफिया एजेंसियों और अमेरिकी सेना की संयुक्त कार्रवाई में मादुरो व फ्लोर्स को गिरफ्तार किया गया और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मादुरो और उनकी पत्नी पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में ड्रग ट्रैफिकिंग और नार्को-टेररिज्म षड्यंत्र के आरोप लगाए गए हैं। वे मुकदमे का सामना करेंगे।

अमेरिकी सेना का वेनेजुएला पर बड़ा सैन्य हमला : डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर बड़ा सैन्य हमला किया और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर लिया। ट्रंप के अनुसार, यह ऑपरेशन रात में किया गया, जिसमें वेनेजुएला की सैन्य क्षमताओं को निष्क्रिय कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं कर सकता जो अमेरिका ने हासिल किया। मादुरो दंपति को अमेरिका ले जाया जा रहा है, जहां वे ड्रग तस्करी और नार्को-टेररिज्म के आरोपों में मुकदमा का सामना करेंगे। मुकदमा न्यूयॉर्क या फ्लोरिडा में हो सकता है। ट्रंप ने इसे अमेरिकी सेना की बहादुरी का नतीजा बताया है।

'दंगाईयों को उनकी जगह दिखाओ', विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान सामने आया है। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को धमकी दी है और सुरक्षाबलों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। खामेनेई ने कहा कि जो दंगाई हैं, उन्हें उनकी जगह दिखाई जाए। खामेनेई का बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। खामेनेई के इस बयान को ईरान के सुरक्षा बलों के लिए खुली छूट माना जा रहा है और अब वे प्रदर्शनकारियों पर और सख्ती बढ़ा सकते हैं।

खामेनेई ने विदेशी ताकतों पर लगाए साजिश रचने के आरोप : ईरान के राष्ट्रीय टीवी पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान जारी किया गया। इस बयान में खामेनेई ने कहा, 'हम प्रदर्शनकारियों से बात कर रहे हैं, अधिकारियों को भी प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए, लेकिन बात करने से कोई फायदा नहीं होगा। दंगाइयों को उनकी जगह पर पहुंचा देना चाहिए।' खामेनेई ने विरोध प्रदर्शन के पीछे विदेशी ताकतों के हाथ होने का दावा किया। उन्होंने कहा, 'दुश्मनों द्वारा खरीदे गए कुछ लोग इस विरोध प्रदर्शन के पीछे हैं, जो दुकानदारों और प्रदर्शनकारी लोगों के पीछे से ईरान, ईरानी गणतंत्र और इस्लाम के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।'

अमेरिका ने प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन : ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के अभी थमने के आसार नहीं लग रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर दिया

है। उन्होंने एक बयान में कहा कि अगर ईरान की सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करती है तो अमेरिका उनके बचाव में आएगा। ट्रंप के इस बयान पर ईरान की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर हमले की धमकी दी। ईरान में साल 2022 में भी एक 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की मौत के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। महसा अमीनी को बुर्का न पहनने के लिए प्रताड़ित किया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। 2022 के बाद ईरान में अब इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

ईरान के कट्टरपंथी नेता प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियन प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के पक्ष में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान में साल 2019 में ईंधन की बढ़ती कीमतों के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में 300 लोगों की मौत हुई थी। वहीं महसा अमीनी की मौत के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 22 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया था।

दक्षिण अमेरिकी देशों पर कब्जे की तैयारी में ट्रंप? वेनेजुएला के बाद क्यूबा को भी धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद अब अमेरिका की ट्रंप सरकार के हौसलें बुलंद हैं और अब वे दक्षिण अमेरिका के अन्य देशों को भी धमकाने पर उतर आए हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा के नेता को चेतावनी देते हुए कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी के बाद अगर मैं क्यूबा की सरकार में होता तो यकीनन मुझे चिंता होती।

मार्को रुबियो ने क्यूबा को दी चेतावनी : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'क्यूबा पूरी तरह से तबाह है। इसे पूरी तरह से अयोग्य सरकार और इसे एक वृद्ध व्यक्ति द्वारा चलाया जा रहा है। इसकी कोई अर्थव्यवस्था नहीं बची है। यह पूरी तरह से तबाह देश हैं। मादुरो की सुरक्षा में लगे सभी गार्ड भी क्यूबा के थे। क्यूबा ने कुछ मामलों में वेनेजुएला पर कब्जा किया हुआ है। क्यूबा ने वेनेजुएला को अपनी कालोनी बनाने की कोशिश की। अगर हम सुरक्षा के लिहाज से देखें तो अगर मैं हवाना में रह रहा होता और मैं सरकार में होता तो में घटनाक्रम से थोड़ा चिंतित तो जरूर होता।'

अमेरिका और क्यूबा के बीच रिश्ते दशकों से तनावपूर्ण हैं। दोनों देशों के संबंधों में तनाव 1960 के दशक से है, जब फिदेल कास्त्रों की सरकार के साथ अमेरिका के संबंध बिगड़े और अमेरिका ने क्यूबा पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। बराक ओबामा के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध सुधारने की कोशिश हुई, लेकिन ट्रंप और बाइडन सरकार में फिर से संबंध तनावपूर्ण हो गए।

ट्रंप ने भी दिए संकेत : गौरतलब है कि

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी क्यूबा की आलोचना की और इसे एक असफल राष्ट्र बताया। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा के नागरिकों और क्यूबा छोड़ चुके लोगों की मदद करना अमेरिका का लक्ष्य है। ट्रंप ने कहा, 'क्यूबा एक रोचक मामला है। क्यूबा की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। क्यूबा के लोग वर्षों से परेशानी झेल रहे हैं। मुझे लगता है कि क्यूबा एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर हम आगे चर्चा करेंगे क्योंकि क्यूबा एक असफल राष्ट्र है। हम क्यूबा के लोगों की मदद करना चाहते हैं।'

अमेरिका की खुफिया एजेंसियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर शनिवार को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया और उन्हें अमेरिका ले जाया गया है। अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पाम बोन्डी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, नशीली दवाओं की तस्करी और नार्को आतंकवाद की साजिश रचने के आरोप में दोनों को गिरफ्तार किया गया है।

जापानी पीएम के ताइवान रुख से चीन के साथ तनाव बढ़ा : टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान आपातकाल में जापान की संभावित भूमिका पर दिए गए बयानों ने चीन के साथ तनाव बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ताकाइची के कट्टरपंथी रुख को रोकने वाले संतुलित स्वरों की कमी जापान की कूटनीति को प्रभावित कर सकती है।

पूर्व पीएम शिंजो आबे की राजनीतिक उत्तराधिकारी मानी जाने वाली ताकाइची पर आम सहमति बनाने में कम कुशल होने के आरोप लग रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि रूढ़िवादी पार्टी के साथ गठबंधन के बाद उनके कट्टरपंथी फैसलों पर अंकुश लगाना मुश्किल हो गया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी : स्मृति ईरानी

जयपुर (एजेंसी)। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा पर खुलकर अपनी बात रखी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरानी ने बताया कि उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी। सत्र में उन्होंने महिलाओं की तकनीक, नीति, स्टार्टअप और सार्वजनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी पर जोर दिया। मल्टीटास्किंग और दृढ़ता को अपने करियर की कुंजी बताते हुए उन्होंने चुनाव हारने के अनुभवों से मिली सीखों का उल्लेख किया। उन्होंने महिला उद्यमियों के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों, अवसरों और मेंटरशिप की आवश्यकता पर भी चर्चा की। ईरानी ने 9 करोड़ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को नए भारत की उजली तस्वीर बताते हुए अपनी पहलें साझा कीं—1 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना, 300 स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और 100 मिलियन डॉलर से अधिक का फंड जुटाना। उन्होंने कहा कि ये कदम महिलाओं के उद्यमिता इकोसिस्टम को मजबूत करने, अवसर और पूंजी तक पहुंच सुनिश्चित करने की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

टाटा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी ; हॉस्पिटल खाली कराया गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के परेल इलाके में स्थित टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की एक अनजान धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। इस धमकी के बाद पुलिस विभाग और हॉस्पिटल प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गए हैं और एहतियात के तौर पर हॉस्पिटल कैंपस खाली करा लिया गया है। धमकी भरा कॉल या मैसेज मिलते ही मुंबई पुलिस तुरंत हॉस्पिटल पहुंची। फिलहाल, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) मौके पर पहुंच गया और डॉग स्क्वॉड की मदद से हॉस्पिटल के हर फ्लोर और कोने की अच्छी तरह से जांच की गई। पुलिस उपायुक्त समेत वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं। चूंकि टाटा हॉस्पिटल देश में कैंसर के इलाज का सबसे बड़ा सेंटर है, इसलिए यहां हर दिन हजारों मरीज और उनके रिश्तेदार आते हैं। बम की खबर फैलते ही इलाके में डर का माहौल बन गया। सुरक्षा कारणों से अस्पताल प्रशासन ने मरीजों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करना शुरू कर दिया और ओपीडी एवं दूसरी भीड़भाड़ वाली जगहों को खाली करा दिया गया। इस दौरान वहां अफरातफरी का माहौल तो रहा ही मरीजों तथा उनके रिश्तेदारों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ी। फ़िलहाल पुलिस जांच कर रही है कि यह सिर्फ़ अफ़वाह है या हमले की कोशिश। धमकी किस नंबर या माध्यम से आई, इसकी तकनीकि जांच की जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने अपील की है, लोगों को घबराना नहीं चाहिए, पुलिस पूरी जांच कर रही है।

झारखंड में दो घटनाओं में जंगली हाथियों ने महिला व युवक को कुचलकर मार डाला

रांची (एजेंसी)। झारखंड में अलग-अलग घटनाओं में जंगली हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत हो गई। वन अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान पश्चिम सिंहभूम जिले के किंतापी गांव की चंपा कुई (47) और लातेहार जिले के मतनाग गांव के वीरेंद्र कोरवा के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक चंपा कुई रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे अपने घर से बाहर निकली थीं, तभी एक हाथी जो झुंड से भटक गया था, गांव में आ गया और उसने चंपा को कुचल दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विभाग की टीम मौके पर पहुंची और परिवार को अंतरिम राहत के रूप में 20,000 रुपए की सहायता राशि दी। विभाग ने परिजनों को औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सरकारी प्रावधानों के मुताबिक मुआवजा प्रदान करने का आश्वासन दिया। लातेहार जिले में विपदोहार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतनाग गांव में शाम करीब चार बजे एक हाथी ने कोरवा को कुचलकर मार डाला। कोरवा चौक बाजार से घर जा रहा था तभी हाथियों के एक झुंड ने उसे घेर लिया और मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर और वनपाल समेत वन विभाग की एक टीम घटना की जांच के लिए मौके पर पहुंची।

8 साल 4 माह की सजा में 387 दिन बाहर, राम रहीम की मनमर्जियां कब रुकेगी?

गुरुग्राम(एजेंसी)। अपनी दो शिष्याओं से रेप में 20 साल की जेल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को फिर 40 दिन की परोल मिली। राम रहीम अभी हरियाणा में रोहतक के सुनारिया जेल में बंद हैं। इसके पहले पिछले साल अगस्त में 40 दिन की परोल मिली थी। इस हालिया परोल से पहले राम रहीम 2017 में दोषी ठहराने के बाद से 14 बार जेल से बाहर आ चुका है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति जैसी संगठनों ने राहत देने की आलोचना की है। जेल से बाहर आने के बाद वह कई बार बागपत स्थित डेरा के आश्रम में रहा।

1. 24 अक्टूबर 2021 को 1 दिन की पैरोल, बीमार मां के लिए।
2. 21 मई, 2021 : 1 दिन की, बीमार मां के लिए फिर।
3. 7 फरवरी, 2022 : 21 दिन की, पंजाब में चुनाव थे।
4. 17 जून, 2022 : 30 दिन, हरियाणा निकाय चुनाव थे।
5. 15 अक्टूर, 2022 : 40 दिन की, आदमपुर उपचुनाव थे।
6. 21 जनवरी 2023 : 40 दिन, शाह सतनाम जयंती थी।
7. 20 जुलाई, 2023 : 30 दिन, 15 अगस्त को बर्थडे था।
8. 21 नवंबर, 2023 :21 दिन, राजस्थान में चुनाव थे।
9. 19 जनवरी, 2024 : 50 दिन, लोकसभा चुनाव होने थे।
10. 13 अगस्त, 2024 : 21 दिन, 15 अगस्त को बर्थडे था।
11. 1 अक्टूबर, 2024 : 21 दिन, हरियाणा में चुनाव थे।
12. 28 जनवरी, 2025 : 30 दिन, दिल्ली में चुनाव थे।
13. 9 अप्रैल, 2025 : 41 दिन, डेरे का स्थापना दिवस था।
14. 5 अगस्त, 2025 : 40 दिन, 15 को बर्थडे था।

2027 में सत्ता में लौटाने के लिए आतुर अखिलेश ने तैयार किया चुनावी मिशन 84

अखिलेश की रणनीति से बसपा और बीजेपी को लग सकता है झटका

लखनऊ (एजेंसी)। वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने अभी से कमर कस ली है। 10 साल बाद सत्ता में वापसी के लक्ष्य के साथ सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ऐसी रणनीति तैयार की है, जिससे प्रदेश की जातीय राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। अखिलेश की इस रणनीति के केंद्र में राज्य की वे 84 विधानसभा सीटें हैं, जो अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं, साथ ही कई सामान्य सीटें भी हैं, जहां दलित वोट निर्णायक भूमिका में रहते हैं। अखिलेश की इस सक्रियता से न सिर्फ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की टेंशन बढ़ी है, बल्कि सत्तारूढ़ भाजपा कर दिया है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोट बैंक लंबे समय से बसपा की ताकत रहा है। लेकिन बीते कुछ चुनावों में बसपा के कमजोर प्रदर्शन और संगठनात्मक ढील के कारण यह वोट बैंक बिखरता दिखा है। इस मौके के फायदा उठाकर अखिलेश ने दलित समुदाय को सपा से जोड़ने की कवायद तेज कर दी है। पार्टी का मानना है कि अगर बसपा के कोर वोट बैंक में सेंध लगाने में सफलता मिलती है, तब 2027 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना आसान होगा।

दरअसल अखिलेश यादव की यह चुनावी रणनीति उनके 'पीडीए' फॉर्मूले पर आधारित है, जिसमें पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को एकजुट करने का लक्ष्य रखा गया है। सपा नेतृत्व का मानना है कि यही सामाजिक गठजोड़ यूपी की राजनीति का भविष्य तय करेगा। इसी सोच के तहत पार्टी ने फैसला किया है कि वह केवल आरक्षित सीटों तक सीमित न रहकर सामान्य सीटों पर भी बड़ी संख्या में दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। इससे दलित समाज में यह संदेश जाएगा कि सपा उन्हें सिर्फ वोट बैंक नहीं, बल्कि नेतृत्व का मौका देना चाहती है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों से अहम सबक लिया है। उस चुनाव में दलित वोटों का एक हिस्सा सपा के पक्ष में आया था, जिसने पार्टी के प्रदर्शन को मजबूती दी। अब सपा चाहती है कि विधानसभा चुनाव में समर्थन को और व्यापक रूप दिया जाए। इसी उद्देश्य से 2025 से ही 'पीडीए चर्चा' कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जो प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चलाए जा रहे हैं।

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि सपा का यह दांव पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। सामान्य सीटों पर दलित उम्मीदवार उतारने से

सवर्ण और अन्य वर्गों के कुछ वोट खिसकने का खतरा भी है। बावजूद इसके, सपा नेतृत्व का भरोसा है कि व्यापक सामाजिक गठबंधन इस नुकसान की भरपाई कर सकता है। अखिलेश यादव खुद कई मौकों पर कह चुके हैं कि 'पीडीए ही यूपी का भविष्य है।'

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, जनता के आशीर्वाद से देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा। उन्होंने बताया कि देवराज उर्स भी मैसूरु जिले के निवासी थे और उनका रिकॉर्ड भविष्य में कोई भी तोड़ सकता है। सिद्धारमैया ने 1983 के विधानसभा चुनावों का जिक्र कर कहा कि उस समय लोग वोट और धन से समर्थन देते थे, जबकि अब परिस्थितियां अलग हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड विराट कोहली ने तोड़ा, वैसे ही भविष्य में कोई मुख्यमंत्री उनसे अधिक समय तक पद संभाल सकता है या अधिक बजट पेश कर सकता है। प्रस्तावित उपकरण सम्मेलन

पर उन्होंने कहा कि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और कार्यक्रम का आयोजन कृष्णा भैरेगौड़ा करेंगे। कैबिनेट फेरबदल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में राहुल गांधी से चर्चा करुंगा और जनवरी में फोन आने पर वे जाएंगे। बल्लारी मामले पर सीएम ने कहा कि भाजपा मौजूदा न्यायाधीश द्वारा जांच की मांग कर रही है, जबकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले रिपोर्ट आने दी जाए, फिर जांच तय होगी। वीबीजी राम की गारंटी आलोचना पर प्रतिक्रिया देकर सिद्धारमैया ने कहा कि 3,000 करोड़ रुपये का 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार पर बोझ डालेगा। सिद्धारमैया का बयान साफ करता है कि राजनीतिक रिकॉर्ड समय के साथ टूटते हैं और भविष्य में किसी भी नेता के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करना संभव है।

तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए राहुल गांधी और सीएम रेड्डी को फांसी देना चाहिए: रामाराव

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए कई बार फांसी देना चाहिए। बीआरएस नेता रामाराव का यह बयान मुख्यमंत्री रेड्डी की पिछली टिप्पणियों के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कड़ी आलोचना कर नदी जल बंटवारे में तेलंगाना के हितों को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाने और सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से अवैध रूप से धन कमाने के लिए उन्हें मृत्युदंड देने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया देकर केटीआर ने कहा कि अगर टूटे वादों को भी ध्यान में रखा जाए, तब यह हिसाब लगाना मुश्किल है कि कांग्रेस नेताओं को कितनी बार फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अशोक नगर अड्डा में दो लाख नौकरियों का वादा पूरा न करने, वारंगल में कृषि ऋण माफी योजना लागू न करने और कामारेड्डी में बीसी समुदाय के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के वादे से मुकरने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ जनता को अपना फैसला सुनाना चाहिए। उन्होंने आलोचना कर कहा कि 420 वादों को तोड़ने के लिए कांग्रेस जनता द्वारा 420 बार दंडित किए जाने की पात्र है।

पार्टी के बयान के अनुसार, केटीआर ने कहा कि सीएम रेड्डी को केवल गाली देना आता है, जबकि बीआरएस जरूरत पड़ने पर तीन-चार भाषाओं में जवाब देने की ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति आईआईटी और आईआईआईटी के बीच या बाचावत ट्रिब्यूनल और बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल के बीच अंतर नहीं जानता, उसके लिए तेलंगाना के भविष्य के बारे में बात करना हास्यास्पद है।

ट्रंप ने फिर दी टैरिफ बढ़ने की धमकी... कांग्रेस का हमला नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी काम नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारत के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये की आलोचना कर कहा कि दोनों नेताओं के बीच बार-बार सौहार्दपूर्ण व्यवहार दिखाने के बावजूद वाशिंगटन लगातार कभी गर्म, कभी ठंडा रुख दिखा रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर भारत से आयात पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने टिप्पणी की कि नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, बार-बार दिखाई गई व्यक्तिगत गर्मजोशी और सोशल मीडिया पर प्रशंसा से भारत को कुछ खास लाभ नहीं हुआ है।

कांग्रेस सांसद रमेश सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री के अच्छे दोस्त भारत के प्रति अपना कभी गर्म, कभी ठंडा रवैया दिखा रहे हैं। उन्होंने फिर धमकी दी है कि अगर भारत रूस से तेल

खरीदना बंद नहीं करता है, तब वे भारत से आयात होने वाले अमेरिकी उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाएंगे। वे सभी नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी कार्यक्रम, वे सभी (जबरदस्ती के) गले मिलना और अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रशंसा करने वाले वे सभी सोशल मीडिया पोस्ट बहुत कम लाभ पहुंचा रहे हैं।

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाते ने केंद्र पर भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने में कमजोर और असमर्थ होने का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रवक्ता ने पोस्ट किया, 'ट्रम्प वहाँ खड़े होकर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं। ट्रम्प के बगल में खड़े अमेरिकी सीनेटर का दावा है कि भारतीय राजदूत राष्ट्रपति को खुश रखने के लिए उनसे विनती कर रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि मोदी ने उन्हें खुश करने के लिए अमेरिका के दबाव में रूसी तेल का आयात कम किया है। इसतरह के बेशर्म गुंडे मेरे देश का मज़ाक उड़ा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से एक शब्द भी नहीं। मोदी एक आपदा हैं, एक कमजोर, कायर व्यक्ति जो भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने वाले गुंडों के सामने खड़े नहीं हो सकते।'

यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा रूसी तेल के आयात जारी रहने पर टैरिफ बढ़ाने की भारत को नई चेतावनी देने के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल आयात के मुद्दे पर भारत का उन्हें खुश रखना महत्वपूर्ण था। ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वे नेक दिल हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश रखना उनके लिए ज़रूरी था। वे व्यापार करते हैं, और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

एनसीसी कैडेट्स को संबोधित कर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने ऑपरेशन सिंदूर से सीखने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एनसीसी के रिपब्लिक डे कैंप 2026 में कैडेट्स को संबोधित कर ऑपरेशन सिंदूर और विभिन्न आपदा राहत अभियानों में उनकी सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एनसीसी शिविर केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता, संवैधानिक मूल्यों और भविष्य के नेतृत्व की झलक प्रस्तुत करता है। उपराष्ट्रपति ने एनसीसी के महत्व और उसके 'एकता और अनुशासन' के ध्येय वाक्य का उल्लेख कर कहा कि यह युवाओं को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और सेवा-भावी नागरिक बनाने में योगदान देता है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर से किया गया और उन्होंने हॉल ऑफ फेम का दौरा कर एनसीसी की गौरवपूर्ण विरासत, उपलब्धियों और विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल्स, जैसे युवा आपदा मित्र योजना, ड्रोन प्रशिक्षण और नई तकनीकों के उपयोग की पहल, का निरीक्षण किया। उपराष्ट्रपति ने आपदा प्रबंधन की तैयारी और उभरती तकनीकों को अपनाने में एनसीसी की भूमिका की सराहना की। कैंप में कैडेट्स के लिए बेस्ट कैडेट, स्मॉल आर्म्स फायरिंग, मार्चिंग कंटिजेंट और फ्लैग एरिया डिजाइनिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस साल 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 2,406 कैडेट्स, जिनमें 898 बालिका कैडेट शामिल हैं, भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 25 मित्र देशों के युवा कैडेट और अधिकारी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत इस कैंप में शामिल हैं। उपराष्ट्रपति ने कैडेट्स के अनुशासन, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना की विशेष सराहना की।

केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने वेल्लापल्ली नटेसन से की मुलाकात... सियासी गलियारों में चर्चा तेज

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाया है। पार्टी के केरल प्रभारी और वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने एसएनडीपी योगम के जनरल सेक्रेटरी वेल्लापल्ली नटेसन से उनके आवास पर मुलाकात की। यह बैठक तब हुई जब नटेसन द्वारा पत्रकार को आतंकवादी कहने वाले बयान ने विवाद पैदा किया था। मुलाकात के बाद बीजेपी नेता जावड़ेकर ने मैत्रीपूर्ण दौरा बताकर कहा कि उन्हें नटेसन से मिलकर हमेशा खुशी होती है। उन्होंने नटेसन के प्रारंभिक दिनों में एसएनडीपी योगम की स्थापना और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत हमेशा सुखद और सकारात्मक रही है, इसलिए इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं है। भाजपा के इस कदम को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि नटेसन के हाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीब आने की खबरें आई थीं। जावड़ेकर ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए गुजरात के अहमदाबाद जैसी

उपलब्धि बताया। नटेसन ने हाल ही में मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले में एसएनडीपी के शैक्षणिक संस्थान खोलने की अनुमति नहीं मिलने पर टिप्पणी की थी, साथ ही एक पत्रकार को चरमपंथी बताने वाले बयान ने विवाद बढ़ाया। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी, जबकि माकपा और भाजपा ने कोई निंदा नहीं की। नटेसन के बेटे टी. वेल्लापल्ली भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से जुड़ी है। इस बैठक का राजनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि विधानसभा चुनाव के पूर्व केरल में विभिन्न दल अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं और भाजपा के लिए यह कदम समुदायों के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत माना जा रहा है।

सीएम सरमा ने असम में शुरु किया बीजेपी का वॉल पेंटिंग अभियान

कांग्रेस टिकट के लिए 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दीवार चित्रकला (वॉल पेंटिंग) अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह अभियान निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा और पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने दावा किया कि असम में भाजपा की स्थिति बेहद मजबूत है और पार्टी के पास करीब 50 प्रतिशत विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार तैयार हैं। सरमा ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व आज ही 50 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी करने को कहे, तब यह संभव है। वहीं सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा उम्मीदवारों से किसी तरह का आवेदन शुल्क नहीं लेगी। उम्मीदवारों के नाम जनता और पार्टी कार्यकर्ता सुझाएंगे और टिकट के लिए 25,000 या 50,000 रुपये जैसी कोई राशि नहीं ली जाएगी। इसके उल्ट उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों से 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही है और यह प्रक्रिया 22-23 सीटों पर चल रही है।

भूमि अतिक्रमण के मुद्दे पर सरमा ने कहा कि तेजपुर में करीब 5,000 बीघा अतिक्रमित भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु होगा। उन्होंने इस अभियान को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताकर कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने मिया समुदाय का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर उन्हें निराश करने का आरोप लगाया। गठबंधन की राजनीति पर मुख्यमंत्री ने

बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया असम गण परिषद (एजीपी) के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत कर रहे हैं। भाजपा का यह दीवार चित्रकला अभियान 2026 के चुनावों के लिए एक प्रारंभिक जनसंपर्क पहल माना जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कामरूप जिले के चांगसारी में आयोजित कार्यक्रम में बेजेरा और सुआलकुची के 1,534 छात्रों को 2025 की एचएसएलसी और एचएस परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की अग्निवीर योजना एक बार फिर चर्चा में है क्योंकि साल 2022 में शुरू हुए इस कार्यक्रम का पहला बैच अब अपनी चार साल की सेवा पूरी करने के करीब है। जून और जुलाई के महीनों में लगभग 20 हजार से अधिक अग्निवीरों को उनकी सेवा अवधि समाप्त होने के बाद डिस्चार्ज किया जाएगा। इस मोड़ पर हजारों युवाओं के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सेना ने स्थायी होने की प्रक्रिया और उससे जुड़े कड़े नियमों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। इसमें कहा गया है कि अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा।

सेना ने स्पष्ट किया है कि अग्निवीर अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान विवाह नहीं कर सकते। नियमों की गंभीरता यहीं खत्म नहीं होती, सेवा से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद भी उन्हें शादी करने की अनुमति नहीं होगी। स्थायी सैनिक बनने की चयन प्रक्रिया, जो लगभग 4 से 6 महीने तक चल सकती है, के दौरान भी उम्मीदवारों का अविवाहित रहना अनिवार्य है। अंतिम परिणाम घोषित होने और आधिकारिक रूप से स्थायी कमीशन मिलने तक यह नियम लागू रहेगा। सेना के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों में से केवल 25 प्रतिशत को ही स्थायी सैनिक के रूप में दोबारा नियुक्त किया जाएगा। यह चयन पूरी तरह से उनके पिछले प्रदर्शन, शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा के अंकों पर आधारित होगा। हालांकि, योग्यता के साथ-साथ अनुशासन को सबसे ऊपर रखा गया है, जिसमें वैवाहिक स्थिति को लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए हैं।अनुशासन पर जोर देते हुए सेना ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अग्निवीर इस निर्धारित अवधि के दौरान शादी करता है, तो उसे स्थायी नौकरी के लिए अयोग्य मान लिया जाएगा। भले ही उस उम्मीदवार का पेशेवर रिकॉर्ड और शारीरिक प्रदर्शन कितना भी उत्कृष्ट क्यों न हो, नियम उल्लंघन की स्थिति में उसे चयन प्रक्रिया से तुरंत बाहर कर दिया जाएगा।आमतौर पर अग्निवीरों की भर्ती 21 वर्ष तक की आयु में होती है और वे लगभग 25 वर्ष की आयु में सेवामुक्त होते हैं। सेना का मानना है कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर नियमों का पालन करना न केवल सैन्य अनुशासन के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक सैनिक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। केवल वही अग्निवीर स्थायी कमीशन के पात्र होंगे जिन्होंने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया हो, जिनका रिकॉर्ड बेदाग हो और जिन्होंने सेवा की पूरी अवधि में ब्रह्मचर्य और अविवाहित रहने के मानदंडों का पालन किया हो।